डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22

वर्ष : 10 > अंक : 05 > मूल्य: 10 रुपए >पृष्ठ : 08

R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

मीडिया दृष्टिकोण

हिलव्यू समाचार

झूठ और घमंड के बारूद पर बैठकर तिली की दुश्मनी नहीं की जाती।
-शालिनी श्रीवास्तव

website: www.hsnews.in

साप्ताहिक समाचार पत्र

जयपुर, शुक्रवार, 21 जुलाई 2023

(जवाब दे सरकार)

नगर निगम हैरीटेज का आदर्शनगर जोन एक माह से है लावारिस

नहीं है कोई स्थायी उपायुक्त, कार्य दिवसों में खाली पड़ी रहती है उपायुक्त की कुर्सी!

अपनी परेशानी लेकर आने वाले क्षेत्रवासी लौट रहे निराश, कोई नहीं कहने सुनने वाला!

निगम के हालात हैं कि अधिकारी कर्मचारी घण्टों ग़ायब रहते हैं आदर्श नगर जोन कार्यालय से

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर (हिलव्यू समाचार। पिछले एक माह से आदर्शनगर जोन नगर निगम ग्रेटर लावारिस हो गया है। आशीष वर्मा को कार्यवाहक उपायुक्त का भार सौंपा गया है किंतु आशीष वर्मा के पास मुख्यालय हैरीटेज में अन्य कई ज़िम्मेदारियों का भार है जिसके चलते आदर्शनगर जोन में उनकी उपस्थिती नगण्य रहती है। पीड़ित या कोई भी काम लेकर आने वाला खाली पड़े कार्यालय को देखकर निराश होकर लौट रहा है।

ऐसे में आदर्शनगर जोन के अधिकाँश अधिकारी-कर्मचारियों की चाँदी हो गयी है दिन-दिनभर कार्यालय से नदारद रहते हैं कोई कहने सुनने वाला नहीं है।

ऐसे में बिल्डर्स को न कानून का डर रहा है और न नियमों की परवाह। आदर्शनगर जोन नगर निगम हेरिटेज के अधिकार क्षेत्र में आने वाले आवासीय भूखण्डों में व्यवसायिक गतिविधियों का सिलसिला बन गया है।

जवाहर नगर,फ्रंटीयर कॉलोनी, सिंधी कॉलोनी,गलता गेट अर्थात जो भी क्षेत्र आदर्श नगर जोन में आते हैं उनमें सैकड़ों अवैध निर्माण, अतिक्रमण और बिल्डर्स की मनमानी को आसानी से देखा जा सकता है।

पूर्व उपायुक्त सुरेश राव की निष्क्रियता और कर्मचारियों की सेटिंग ने आदर्शनगर जोन में लगभग 400-500 अवैध निर्माणों को पनाह दे दी है जिसका नज़ारा आदर्शनगर ज़ोन क्षेत्र में घूम कर देखा जा सकता है।

इन अवैध निर्माणों की एक लंबी सूची है फ्रंटीयर कॉलोनी के हर मोड़ व गली अवैध निर्माणों से भरी पड़ी है।

जवाहर सेक्टर 02 में निगम की करोड़ों की ज़मीन पर अतिक्रमण कर अवैध पार्किंग, सर्वानन्द पार्क में 100x30 का अवैध निर्माण, सिंधी कॉलोनी में भूखण्ड संख्या सी-17, सी-24, सी-27 सी-29,सी-30, बर्फ़ख़ाना चौराहा से लेकर देवीमाता मंदिर रोड़, 307 सिंधी कॉलोनी, 314 ताज़ाफल के आसपास, जवाहर नगर प्लाट नं. 525 यानी असंख्य अवैध निर्माण बिना ख़ौफ़ के धड़ल्ले से चल रहे हैं।

आख़िर नगर निगम आदर्शनगर जोन का ज़िम्मेदार कौन है जवाब दे सरकार?

आदर्शनगर जोन की क्षेत्रवासी सना परवीन का कहना है कि लगभग 6 साल से वो अपनी डेयरी बूथ के लिए चक्कर काट रही हैं और अभी तो एक माह से कोई उपायुक्त यहाँ नहीं बैठे हैं ऐसे में कोई उत्तर देने वाला ज़िम्मेदार अधिकारी कर्मचारी यहाँ मौजूद नहीं है। मैं एक अकेली महिला हूँ कभी सिविल लाइन भेजते हैं कभी आदर्शनगर जोन और अब तो यहाँ कोई जवाब देने वाला ही नहीं आख़िर आदर्शनगर जोन की जनता जाए तो कहाँ जाए?

वार्ड नंबर 88 पार्षद रईस कुरैशी हिलव्यू समाचार की टीम के कवरेज़ के दौरान वहाँ मिले इस बारे में उनसे वर्जन लिया गया तो उन्होंने कहा कि - इस वक़्त आदर्शनगर जोन के हालात बहुत बुरे हैं । कोई कहने सुनने वाला नहीं है। आशीष जी वर्मा अभी उपायुक्त लगाए गए हैं आदर्शनगर जोन में लेकिन उनके पास हेल्थ के अलावा कई चार्ज हैं मुख्यालय हैरीटेज से ऐसे में उनकी उपस्थिति यहाँ सप्ताह में 02 दिन होती है लगभग तो आम जनता बेहद परेशान हो रही है। सरकार को जल्द से जल्द यहाँ स्थायी उपायुक्त नियुक्त करना चाहिए।

विपिन जैन, आदर्शनगर जोन का कहना है कि सैकड़ों लोग यहाँ आदर्शनगर जोन से निराश लौट रहे हैं। कोई स्थायी उपायुक्त यहाँ नहीं होने आम जनता परेशान हो रही है क्योंकि उनकी पीड़ा या परेशानी का समाधान नहीं हो रहा। कार्यालय खाली पड़े हैं जो मौजूद हैं वो जवाब देह नहीं हैं ऐसे में आदर्शनगर जोन की जनता कहाँ जाएगी? सरकार को इसके लिए सोचना चाहिए और स्थायी उपायुक्त नियुक्त करना चाहिए

लावारिस आदर्शनगर जोन के प्रत्यक्ष हालात व अन्य खबरें लाइव देखने के लिए हिलव्यू समाचार के डिजिटल चैनल से जुड़ें वेबसाइट www.hsnews.in या यू ट्यूब लिंक hsnews से।सब्सक्राइब करें चैनल को और रहें अपडेट अपने क्षेत्र से।

वार्ड नं. 94 पार्षद घनश्याम दास चंदलानी के द्वारा अवैध निर्माण ज़ोरों पर है।

ख़बर-बेख़बर

नानक प्लाज़ा,एलबीएस कॉलेज रोड़ पर बिना अनुमति अवैध निर्माण तेज़ी से शुरू

कमर्शियल अवैध निर्माण में 70% राशि कैश और 30%चेक डीएलसी रेट लेकर बिल्डर कर रहे काली कमाई

हिलव्यू समाचार

जयपुर। नानक प्लाज़ा,एलबीएस कॉलेज रोड़, राजापार्क के मुख्य मार्ग पर अवैध निर्माण बिना अनुमति के तेज़ी से शुरू हो गया है। राजापार्क की रोड़ यूँही बहुत जाम रहती है ऐसे में हर गली हर मोड़ पर लगातार बनते आवासीय में कमर्शियल शोरूम इसे घुटन भरा बना देंगे।

नगर निगम मालवीयनगर जोन ग्रेटर से अनुमति लेना आवश्यक नहीं समझ रहे बिल्डर्स। बिना अनुमति के शुरू हुआ यह निर्माण कार्य ज़ीरो सेटबैक होने के साथ साथ बहुमंज़िला शोरूम में बदल जायेगा और करोड़ों में एक शो रूम की बात होगी लेकिन न निगम को आय होगी न ही इनकमटैक्स को कोई ख़बर लगेगी।

बिल्डर्स निगम की कार्यवाही का कोई ख़ौफ़ नहीं रह गया है। तेज़ी गति से होते ये अवैध निर्माण राजापार्क में मुख्य कारण हैं। ट्रैफ़िक जाम की लेकिन कोई परवाह नहीं बिल्डर्स को यहाँ तक कि शासन-प्रशासन को।

राजापार्क में तो होड़ मची हुई है व्यवसायिक निर्माण और अवैध निर्माण की। सीजर की कार्यवाही का डर नहीं है।

बैख़ौफ़ होकर बिल्डर्स निगम को चूना लगा रहे हैं। इनकमटैक्स की आँखों में धूल झौंक रहे हैं क्योंकि प्लॉट की क़ीमत लाखों की होती है लेकिन यही प्लॉट अगर व्यवसायिक शो-रूम में बदल जायें तो प्लॉट करोड़ों का हो जाता है। एक-एक शो रूम या दुकान करोड़ों में बिकती है।जिसमें 70% राशि कैश और 30% राशि डीएलसी रेट से चेक लेकर बिल्डर करते है काली कमाई।

सरकार क्यों इन अवैध निर्माणों के लिए सख़्त क़दम नहीं उठा रही बड़े शर्म की बात है।

क्या मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना से वंचित होंगे EWS कैटगिरी के विद्यार्थी?

ऑनलाइन में फॉर्म भरने के लिए नहीं है कोई ऑप्शन EWS वर्ग के विद्यार्थियों के लिए

हिलव्यू समाचार

जयपुर। सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग की ओर से संचालित मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना के तहत कोचिंग संस्थान में विद्यार्थियों को कोचिंग करने के लिए वर्ष 2023-24 के द्वितीय चरण के ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई तक एसएसओ पोर्टल के माध्यम से की गई है।

अनुसूचित जाति,अनुसूचित जनजाति,अन्य पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग व आर्थिक रूप से कमजोर श्रेणी के छात्र-छात्राओं के लिए यह योजना शुरू की गई है।

लेकिन पोर्टल खोल रहे विद्यार्थियों की शिकायतें आ रहीं है कि ऑनलाइन में ईडब्ल्यूएस कैटेगरी का ऑप्शन नहीं आ रहा न ही अन्य किसी माध्यम से पोर्टल पर EWS के विद्यार्थियों के लिए कोई ऑप्शन खुल रहा है। न हीं सरकार ने इसके लिए ऑफ लाइन फॉर्म के कोई निर्देश जारी किये हैं। ऐसे में EWS विद्यार्थी परेशान होकर भटक रहे हैं क्योंकि ना उन्हें ऑफलाइन फॉर्म भरने की अनुमति मिली है और ना ही आवेदन ऑनलाइन भर पा रहे हैं। 31 जुलाई अंतिम तिथि होने से विद्यार्थियों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया है।

सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग से पीड़ित विद्यार्थियों ने संपर्क किया लेकिन कोई निर्देश या संतोषप्रद जवाब नहीं मिल पाया है।

(हिलव्यू समाचार के एचएस न्यूज़ चैनल की ख़बर का हुआ असर)

शांतिपथ D-85 पर निगम द्वारा हुई सीजर की कार्यवाही

D-85 शांतिपथ, राजापार्क

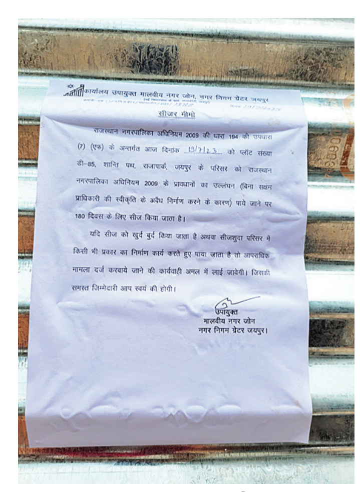

बिना निगम की अनुमति के हो रहा था निर्माण कार्य, निगम की आँखों में आवासीय की धूल झौंककर कमर्शियल अवैध बिल्डिंग बनाने की थी प्लानिंग कालूराम किराना मालिक आदर्श कुमार की

कुलदीप गुप्ता

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। जवाहर नगर पुलिया नम्बर 2 के कॉर्नर पर वीर हनुमान स्वीट्स के सामने स्थित प्लॉट नम्बर D -85 में बहुत तेज़ी से अवैध निर्माण हो रहा था। मालवीयनगर जोन नगर निगम ग्रेटर से इस निर्माण के सम्बंध में कोई निर्माण अनुमति नहीं ली गई। शासन-प्रशासन में अपने उच्च स्तरीय संबंधों को लेकर आदर्श कुमार स्वयं सरकार समझ बैठे थे ख़ुद को। विदित रहे कि ऐसे अवैध निर्माणकर्ता सिर्फ़ स्वयं के फायदे के लिए निर्माण कार्य करते है और इस निर्माण कार्य से प्राप्त होने वाली काली कमाई से शुरू होता है सिलसिला और अवैध बिल्डिंग बनाने का इस तरह सरकारी खज़ाना तो खाली का ख़ाली रह जाता है और इन बिल्डर्स के ख़ज़ाने भरते जाते हैं। अपने रसूख के चलते बिल्डिंग बायलॉज के नियमों से परे जाकर कालूराम अवैध निर्माण में लगे थे और बिना अनुमति के आराम से बिल्डिंग बायलॉज को फॉलो नहीं कर रहे थे। हिलव्यू समाचार के डिजिटल चैनल एचएस न्यूज़ पर इस अवैध निर्माण को उजागर किया गया।

नगर निगम उपायुक्त महेश मान के संज्ञान में मामला आते ही उन्होंने सीजर के आदेश कर दिए।निर्माणकर्ता आदर्श कुमार को विधिवत रूप से अनुमति लेकर बिल्डिंग बायलॉज की पालना कर पुनः निर्माण करने को निर्देशित किया गया और इस तरह विधिवत रूप से नोटिस जारी करते हुए उपायुक्त महेश मान के निर्देशन में मालवीय नगर निगम जोन द्वारा इस अवैध निर्माण पर 180 दिन की सीजर कार्यवाही कर लगाम लगा दी गयी है।

हिलव्यू समाचार द्वारा अवैध निर्माणों एवं बिल्डिंग बायलॉज के नियमों की धज्जियाँ उड़ाते हुए लगातार होते अवैध निर्माण कार्यो की खबरें प्रकाशित हो रही हैं जो शासन और प्रशासन को चेताने का कार्य कर रही हैं। इसका असर स्पष्ट रूप से दिखा और त्वरित गति से कार्यवाही हुई।

मेहता डायग्नोस्टिक सेंटर राजापार्क बिल्डरों की दौड़ में हुआ शामिल

नगर निगम ग्रेटर आयुक्त से संबंधों का मिल रहा मेवा और इस प्रशासनिक पहुँच के चलते नहीं हो रही कोई कार्यवाही या जाँच-पड़ताल

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। राजापार्क के गुरुनानकपुरा प्लॉट नम्बर 333 मेहता डायग्नोस्टिक सेंटर के मालिक बिना परमिशन लिए कर रहे कमर्शियल अवैध निर्माण करने में जुटे हैं। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार

नगर निगम ग्रेटर आयुक्त से अच्छे संबंधों का फ़ायदा मिल रहा है मेहता डायग्नोस्टिक सेंटर के मालिक को और इसी प्रशासनिक पहुँच के चलते अब तक कोई भी कार्यवाही या जाँच-पड़ताल मालवीयनगर जोन नगर निगम ग्रेटर द्वारा नहीं की गई है। आवासीय भूखण्डों पर मल्टीस्टोरी फ़्लैट्स, शोरूम राजापार्क में शुमार पर है और तो और आवासीय भूखण्डों पर कॉमर्शियल निर्माण मालवीयनगर निगम जोन की पहचान ही बनता जा रहा है।

कॉमर्शियल निर्माण करने के दौरान न बिल्डिंग बायलॉज के नियमों का ध्यान रखा जाता है और न ही आसपास के माहौल का। सकड़ी होती सड़कें गलियों की बदहाली बयान करती नज़र आती है। ऐसे में गुरुनानकपुरा की सकड़ी सी गली में डायग्नोस्टिक सेंटर का संचालन वहाँ के ट्रैफ़िक को तो प्रभावित करेगा ही और तो और आसपास के रहवासियों के लिए भी सरदर्द का कारण बनेगा।

लाखों रुपयों के आवासीय प्लॉट पर कमर्शियल निर्माण करोड़ों रुपये की अचल संपत्ति बन जाती है।

आख़िर ऐसी क्या मज़बूरी है सरकार कि जो स्वयं सरकार अपने द्वारा बनाये गए नियमों की अवेहलना होने पर भी इन अवैध निर्माणों पर कड़ी कार्यवाही करने के कड़े नियम निर्देश जारी नहीं कर रही।नगर निगम ग्रेटर के अधिकार क्षेत्र में आने वाली यह अवैध बिल्डिंग्स किस तरह पनप रही हैं यह आयुक्त महेंद्र सोनी नगर निगम ग्रेटर से अवश्य पूछा जाना चाहिए

सम्पादकीय

बहुत पहले हो जानी चाहिए थी सीमा हैदर की जांच

आजकल देश में चौतरफा सीमा हैदर की चर्चाएं हैं। सोशल मीडिया ही नहीं, गली-चौराहों पर भी इस पाकिस्तानी बाला को लेकर तरह- तरह की बातें हो रही हैं। कोई उसके साहस की तारीफ कर रहा हैं तो कोई इसके पीछे पाकिस्तानी शरारत का शक जता रहा है। पाकिस्तान से चार बच्चों को लेकर भारत आई सीमा हैदर की शुरुआती कहानी जितनी आसानी से बताई गई, पड़ताल करने पर उसमें उतनी ही गुत्थी नजर आती है। कई ऐसी बातें है जिसके चलते अब साजिश नजर आने लगती है। जिस तरह से कहानी गढ़ी जा रही है कि सीमा भाभी, सीमा भाभी का जिस तरीके से अवतरण हुआ है वो बहुत ही अस्वाभाविक और असामान्य है। जो सवाल उठ रहे हैं, उसका जवाब आना जरूरी है। जिसकी जांच बहुत पहले ही हो जानी चाहिए थी। जो सवाल उठ रहे हैं वो ये हैं कि क्या एक महज पांचवीं पास महिला, पाकिस्तान का पहचान पत्र और आधार कार्ड बनवाकर, चार बच्चे लेकर कितनी आसानी से भारत आ गई। सीमा पर सबसे बड़ा शक ये है कि कहीं वह पाकिस्तान की जासूस तो नहीं है, जो प्यार-मोहब्बत के बहाने भारत में अंडर कवर एजेंट के तौर पर काम करने आई है। उतर प्रदेश एटीएस का फोकस इसी की जांच पर है। पाकिस्तानी नंबर वाले फोन से डेटा डिलीट करने और अलग-अलग डॉक्यूमेंट में डेट ऑफ बर्थ अलग होने से ये शक और बढ़ रहा है। शुरुआती जांच में सामने आया कि सीमा ने अपना पाकिस्तान का सिम भी तोड़ कर फेंक दिया था। इस फोन और सिम का डेटा डिलीट किया। भारत आने के रास्ते में उसने शारजाह और काठमांडू में भी सिम खरीदे। सीमा के पास खुद का एक्टिव फोन था, लेकिन वो पाकिस्तान से सचिन को कॉल किसी अनजान व्यक्ति के हॉटस्पॉट से करती थी। सचिन के पास भी एक टूटा फोन मिला है। कहीं ऐसा तो नहीं कि सचिन उसके जाल में फंसा महज एक मोहरा भर हो, जिसका इस्तेमाल करके वो अपने मंसूबों को अंजाम देने के लिए भारत तक पहुंच गई। बताया जा रहा है कि सीमा हैदर के बैकग्राउंड को लेकर भारतीय इंटेलिजेंस ब्यूरो यानी आईबी से रेड फ्लैग मिला था। ये रेड फ्लैग भारतीय खुफिया एजेंसी रॉ यानी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग से मिला है। छानबीन में सामने आया है कि सीमा का भाई और चाचा पाकिस्तानी आर्मी में हैं। इस इनपुट के बाद ही उतर प्रदेश एटीएस एक्टिव हुई और सीमा-सचिन से पूछताछ कर रही है। जांच एजेंसी ने सोमवार को सीमा हैदर से अंग्रेजी की कुछ लाइन पढ़वाई थीं। सीमा ने न सिर्फ उन्हें अच्छे से पढ़ा, बल्कि उसका पढ़ने का तरीका भी अच्छा था। सीमा ने खुद ही दावा किया था कि वो सिर्फ पांचवीं तक पढ़ी है। इसके बावजूद उसका अंग्रेजी पढ़ पाना शक पैदा करता है। सीमा के पास से अलग-अलग नाम के दो पासपोर्ट, अलग-अलग डेट ऑफ बर्थ वाले डॉक्यूमेंट के अलावा एक टूटा फोन मिला है। पूछताछ में उसने कबूल किया कि वो सचिन के अलावा दूसरे भारतीय मर्दों के संपर्क में भी थी। सीमा ने इन लोगों से भी पबजी गेम खेलते हुए ही जान-पहचान बनाई थी। जिन लोगों से सीमा ने संपर्क किया था, ज्यादातर दिल्ली-एनसीआर के थे। सीमा ने जिन लोगों से पबजी के जरिये बात की थी, उन्हें भी ढूंढा जा रहा है। उनसे भी पूछताछ की जाएगी। ऐसा नहीं है कि सीमा प्रेम का रिश्ता बनाकर भारत आने वाले कोई पहली महिला है। बीते साल सीमा और सचिन की तरह ही इकरा और मुलायम ने भी नेपाल में शादी कर ली थी। बेंगलुरु पुलिस ने उसकी गंभीरता से जांच की और भारत सरकार ने इकरा को पाकिस्तान भेज दिया। सीमा के मामले में भी सरकार को गंभीरता से जांच करनी चाहिए। अगर कुछ भी संदेह होता है तो उसे भी इकरा की तरह पाकिस्तान भेज दिया जाना चाहिए। किसी की भी झूठी प्रेम कहानी के लिए देश की सुरक्षा से समझौता नहीं किया जा सकता।

सारा संसार

भुवनेश्वर में राम मंदिर भगवान राम, उनकी पत्नी, देवी सीता और उनके प्यारे भाई, भगवान लक्ष्मण को समर्पित एक खूबसूरत मंदिर है। भगवान हनुमान, भगवान शिव और अन्य कई देवताओं समेत यह शानदार मंदिर है।

विडंबना
एस एन वर्मा

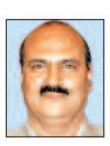

बरसाती पानी के जमाव के बीच स्मार्ट सिटी की कल्पना असंभव

लगभग प्रत्येक वर्ष मानसून दिल्ली एनसीआर, मुंबई और चेन्नई जैसे शहरों की पानी की निकासी की कुव्यवस्था की पोल खोल देता है। बरसाती पानी का जमाव इन हाईप्रोफाइल मेट्रो सिटी में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा कर देता है। ऐसी स्थिति में भारत सरकार की 100 स्मार्ट सिटी पर चल रहे कार्यों पर भी एक प्रश्न चिह्न खड़ा कर देता है कि इन नगरों में पानी की निकासी की व्यवस्था कैसी की जा रही है। याद रहे कि भारत वह देश है जहां लगभग 3 हजार वर्ष ईसा पूर्व सिंधु घाटी सभ्यता जिसे हड़प्पा संस्कृति भी कहा जाता है की जल निकासी व्यवस्था बहुत प्रभावशाली थी। हड़प्पा के शहरों की सबसे बड़ी विशेषता सावधानीपूर्वक नियोजित जल निकासी प्रणाली है। सिन्धु सभ्यता नगरों में चौड़ी-चौड़ी सड़कें, पूर्व से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण दिशा की ओर थी। ये सड़कें एक दूसरे को प्रायः समकोण पर काटती थीं। क्या अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त 100 स्मार्ट सिटी में पानी की निकासी की व्यवस्था भी उन्नत होगी। अभी बरसाती पानी ने दिल्ली, गुरुग्राम और नोएडा जैसे एनसीआर के शहरों की क्या दुर्दशा कर दी, यह किसी से छुपा नहीं है। हालांकि ये सभी नियोजित शहर माने जाते हैं। हमारे देश में जो 100 स्मार्ट सिटी बनने जा रहे हैं उन पर भी एक नजर डाल लेते हैं। 25 जून 2015 को प्रारंभ किए गए स्मार्ट सिटी मिशन का उद्देश्य स्मार्ट समाधान के एप्लिकेशन से अपने नागरिकों को प्रमुख अवसंरचना ढांचा, स्वच्छ तथा टिकाऊ पर्यावरण और जीवन की एक समुचित गुणवत्ता प्रदान करना है। आवासीय और शहरी विकास मंत्रालय के अनुसार स्मार्ट सिटी की कोर बुनियादी सुविधाओं में पर्याप्त पानी की आपूर्ति, निश्चित विद्युत आपूर्ति, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन सहित स्वच्छता, कुशल शहरी गतिशीलता और सार्वजनिक परिवहन, किफायती आवास, विशेष रूप से गरीबों के लिए, सुदृढ़ आईटी कनेक्टिविटी और डिजिटलीकरण, सुशासन, विशेष रूप से ई-गवर्नेंस और नागरिक भागीदारी, टिकाऊ पर्यावरण, नागरिकों की सुरक्षा और संरक्षा, विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों एवं बुजुर्गों की सुरक्षा, और स्वास्थ्य और शिक्षा शामिल हैं। मंत्रालय की ही एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत की वर्तमान जनसंख्या का लगभग 31 फीसदी आबादी शहरों में बसती है और इनका सकल घरेलू उत्पाद में 63 फीसदी (जनगणना 2011) का योगदान है। देश की तरक्की के लिए सिटी का स्मार्ट होना बहुत जरूरी है। इन स्मार्ट सिटी में बरसाती पानी के निकास की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए, वरना बरसात के महीनों में अभी के विकसित शहरों जैसा हाल उसका भी न हो जाए, बस इसके लिए सरकार को आगाह करना है। बाढ़ व बरसाती पानी के जमाव से हुए नुकसान का आकलन भी किया जाना चाहिए। साथ ही यातायात व्यवस्था का चरमरा जाना और जनजीवन पर इनके प्रभाव पर भी विचार किया जाना चाहिए तभी इसकी अवस्था में सुधार लाया जा सकेगा।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

विश्लेषण
शंभू भद्र

दलों के ध्रुवीकरण के दौर का आगाज

पिछले तीन दशक से भारत के लिए अपरिहार्य बन चुकी गठबंधन की राजनीति अब नया रुख अख्तियार कर रही है। राजनीतिक दल कंसोलिडेट हो रहे हैं। अब तक व्यवहार में गठबंधन का स्वरूप बहुदलीय रहा है, लेकिन बेंगलुरु में जिस तरह 26 विपक्षी दलों ने 'इंडिया' नाम से गठबंधन बनाया है और जवाब में नई दिल्ली में भाजपा नीत राजग का 38 दलों का जमघट लगा, यह संकेत है कि अब गठबंधन द्विध्रुवीय रूप ले रहा है। देश में अब तक वोटों का पोलराइजेशन होता रहा है, लेकिन अब दलों का पोलराइजेशन शुरू हुआ है। अगर यह प्रयोग सफल हुआ तो आगे दो ध्रुवीय गठबंधन की राजनीति का नव दौर देखने को मिलेगा।

भारतीय राजनीति नए बदलाव की ओर बढ़ रही है। दलों के ध्रुवीकरण की ओर...। मिशन 2024 के लिए 26 विपक्षी दलों का एकजुट होना और भाजपा नीत राजग में 38 दलों का साथ आना संकेत हैं कि भारतीय राजनीति गठबंधन के नए दौर में प्रवेश कर रही है। पिछले तीन दशक से भारत के लिए अपरिहार्य बन चुकी गठबंधन की राजनीति अब नया रुख अख्तियार कर रही है। राजनीतिक दल कंसोलिडेट हो रहे हैं। अब तक व्यवहार में गठबंधन का स्वरूप बहुदलीय रहा है, लेकिन बेंगलुरु में जिस तरह 26 विपक्षी दलों ने 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) नाम से गठबंधन बनाया है और जवाब में नई दिल्ली में भाजपा नीत राजग का 38 दलों का जमघट लगा, यह संकेत है कि अब गठबंधन द्विध्रुवीय रूप ले रहा है। अभी देश के 64 दल दो ध्रुव में बंट चुके हैं। तेलंगाना के सीएम के चंद्रशेखर राव की पार्टी भारत राष्ट्र समिति, आंध्र प्रदेश के सीएम जगनमोहन रेड्डी की पार्टी वाईएसआरसी, ओडिशा के सीएम नवीन पटनायक की पार्टी बीजू जनता दल और यूपी की पूर्व सीएम मायावती की बसपा सरीखे गिन-चुने दल बचे हैं, जो किसी ध्रुव में नहीं है। देश में अब तक वोटों का पोलराइजेशन होता रहा है, लेकिन अब दलों का पोलराइजेशन शुरू हुआ है। एक ध्रुव का नेतृत्व जहां भाजपा कर रही है, वहीं दूसरे ध्रुव का नेतृत्व कांग्रेस करती प्रतीत हो रही है। राजनीतिक रूप से राष्ट्रीय पटल पर हाशिये पर खड़ी कांग्रेस का सांगठनिक चरित्र देशव्यापी होने के चलते उसे ध्रुवीकृत विपक्ष की धुरी के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि विपक्ष के लगभग सभी दलों को पता है कि इस वक्त कांग्रेस बेहद कमजोर है और वह कप्तानी की स्थिति में नहीं है। कांग्रेस की कप्तानी में विपक्ष का जहाज टाइटेनिक भी बन सकता है। देश में राजनीति का स्वरूप बदलता रहा है। आजादी के वक्त कांग्रेस अकेली पार्टी थी, जिसकी पूरे देश में साख थी। आजादी के चंद वर्ष बाद ही प्रजा सोशलिस्ट पार्टी, माकपा आदि के रूप में वैकल्पिक राजनीति शुरू हुई, लेकिन अस्सी के दशक तक भारतीय राजनीति में कांग्रेस का ही एकछत्र राज रहा। साठ के दशक के बाद बेशक डीएमके, अकाली दल आदि के रूप में क्षेत्रीय दल का उदभव होने लगा, लेकिन यह दौर एकल पार्टी का ही रहा। सत्तर के दशक में भारतीय राजनीति का अपराधीकरण शुरू हुआ, जिसमें चुनाव जीतने के लिए अपराधियों का सहारा लिया जाने लगा। अस्सी के दशक तक कांग्रेस का प्रभाव मलिन होने लगा और वैकल्पिक राजनीति के रूप में क्षेत्रीय दलों व राष्ट्रीय दल के रूप में भाजपा का उदय शुरू हुआ। वर्ष 1975 में इंदिरा गांधी द्वारा देश पर थोपी गई इमरजेंसी ने कांग्रेस की एकल राजनीति का अवसान कर दिया। वर्ष 1977 में देश में पहली बार जनता पार्टी की गैर कांग्रेस सरकार बनी। जेपी की संपूर्ण क्रांति ने कांग्रेस को जरूर उखाड़ फेंका, लेकिन राजनीति का मजबूत गैर कांग्रेस विकल्प नहीं दिया। 1980 में कांग्रेस ने वापसी की। यह वो दौर भी था, जब अपराधी छवि वाले लोग सीधे राजनीति में प्रवेश करने लगे और लगभग सभी दल अपराधी छवि के

नेताओं को टिकट देने लगे। अस्सी से नब्बे के बीच राजनीति और अपराधियों का नेक्सस काफी फला-फूला। यह दशक भारतीय राजनीति का ट्रांसफ्यूजन काल माना जा सकता है, जिसमें एक तरफ जहां कांग्रेस के खिलाफ वैकल्पिक राजनीति के रूप में क्षेत्रीय दल व गठबंधन का युग शुरू हो रहा था, राजनीति में जातीय व धार्मिक उन्माद खुलेआम प्रवेश कर रहे थे, वहीं आपराधिक नेता राजनीति में जड़ जमा रहे थे। इस दौर में सभी गठबंधन कांग्रेस के खिलाफ बन रहे थे। 1991 में सरकार बनाने के लिए सांसदों का खरीद-फरोख्त भी शुरू हो गया। कांग्रेस ने ही यह परंपरा भी शुरू की। वर्ष 1991 से ही भारत में आर्थिक उदारीकरण का दौर भी शुरू हुआ, और इसी के साथ भारतीय राजनीति का कॉरपोरेटीकरण भी शुरू हो गया। ब्रिटेन व अमेरिका से कॉरपोरेट पॉलिटिक्स की चली हवा भारत पहुंच गई। वर्ष 1990 में सोवियत संघ रूस के टूटने के बाद विश्व में विचारधारा के अंत की भी घोषणा होने लगी। इसका असर राजनीति पर भी दिखा और राजनीति से वैचारिक प्रतिबद्धता के अंत का आरंभ हुआ। अब राजनीति केवल सत्ता की होने लगी। नब्बे के दशक से लेकर अब तक की राजनीति के केंद्र में गठबंधन अपरिहार्य रहा। ये गठबंधन सुविधा के भी बने, राजनीतिक पसंद के भी बने, लेकिन हर गठबंधन सत्ता के लिए ही बना। गठबंधन ने राजनीतिक अस्थिरता भी पैदा की, कमजोर सरकारें भी दीं। वर्ष 1980 से 1990 के बीच का दौर ऐसा भी रहा जिसमें देश में बहुतायत में परिवारवादी, वंशवादी, व्यक्तिवादी दल अस्तित्व में आए और लोकतंत्र के नाम पर परिवार की सत्ता को मजबूत किया। वर्ष 1999 से लेकर अब तक दो दशक को भारतीय राजनीति में गठबंधन के स्वर्णिम काल के रूप में माना जाना चाहिए। इस दौरान गठबंधन में भी स्थिर सरकार बनी। 2014 के बाद से भाजपा की राष्ट्रीय राजनीति के तौर तरीकों ने देश में बिखरे विपक्ष के सामने राजनीतिक अस्तित्व खड़ा कर दिया है। हिंदुत्व, विकास, जनकल्याण, सोशल इंजीनियरिंग, भारतीय अस्मिता और राष्ट्रवाद की राजनीति ने भाजपा को वटवृक्ष बना दिया है। अभी के विपक्षी दल इसमें बहुत पीछे छूट चुके हैं। जाति, बिरादरी की राजनीति से अब लोग ऊब चुके हैं, जबकि वे अभी तक इसी में फंसे हैं। करीब तीन दशक की जातिगत-क्षेत्रगत राजनीति ने निराश ही किया है। रोजी, रोटी, शिक्षा, स्वास्थ्य, पानी, सुरक्षा, खेती-किसानी के प्रश्न ज्यों के त्यों हैं। परिवारवादी दलों ने भ्रष्टाचार को संस्थागत बना दिया, जिसने देश को घुन की तरह खोखला किया। विपक्षी गठबंधन इंडिया में शामिल सभी दलों को दस से बीस-तीस-चालीस-पचास साल तक शासन का अवसर मिला है, लेकिन वे समावेशी विकास व व्यवस्था परिवर्तन की मिसाल पेश नहीं कर सके हैं, इसलिए विपक्षी गठबंधन इंडिया भाजपा के खिलाफ केवल अपने राजनीतिक अस्तित्व बचाने की खातिर सत्ता के लिए जमावड़ा भर ही है, क्योंकि इनमें शामिल अधिकांश नेता फुके हुए कारतूस हैं। ये वे लोग हैं जिन्होंने समाजवाद के नाम पर राज्य, देश व संविधान को छला है और लोकतंत्र के नाम पर परिवारवाद, वंशवाद व व्यक्तिवाद को पोषित किया है। ये सियासत के 'ययाति' हैं। सत्ता के लिए विपक्षी दलों का ध्रुवीकरण शुरू हुआ है, अगर यह प्रयोग सफल हुआ तो आगे दो ध्रुवीय गठबंधन की राजनीति का नव दौर देखने को मिलेगा। भविष्य में छोटे दलों के बड़े में विलय की घटनाएं भी देखने को मिलेंगी, क्योंकि राजनीति के कॉरपोरेटीकरण के बाद से पार्टियों का अर्थशास्त्र बदल गया है, जिसमें छोटे दलों का सरवाइव करना मुश्किल होता जाएगा। बहरहाल, राष्ट्रवाद की पिच पर भाजपा को मात देने आए विपक्ष के इंडिया ने भाजपा को 'इंडिया बनाम भारत' की सियासत को तेज करने का अवसर दे दिया है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया edit@haribhoomi.com पर दे सकते हैं।

जीवन बना और बिगाड़ सकती है ये चीजें

संकलित
दर्शन

आम आदमी अपने दिन का पूरा समय इन दो जगहों पर बिताता है वो है घर या फिर दफ्तर में। जैसी व्यक्ति की संगति होती है वैसी ही उसकी मति हो जाती है। इसलिए जरूरी होता है कि व्यक्ति हमेशा अपने लिए सही वातावरण चुनना चाहिए, जिससे वह सही पथ पर चले। आचार्य प्रशांत के अनुसार, एक व्यक्ति किस आधार पर विवाह करता है या फिर कैसी संगति चुनता है। यह महत्व की बात है कि वह व्यक्ति किसके साथ रह रहा है। आप चाहे विवाह करके रह रहे हो या फिर बिना विवाह करके अपना जीवन व्यय कर रहा हो। ऐसे में व्यक्ति को जरूर हमेशा याद रखना चाहिए कि वह अपने जीवनसाथी का चयन किस आधार पर कर रहा है। हर एक छोटी बात जैसे कि वह व्यक्ति अब से लगातार मेरे कमरे में रहेगा? किसके शब्द लगातार पड़ने लग गए हैं तुम्हारे कानों में? इन चीजों को याद करके ही निर्णय लेना चाहिए। क्योंकि इसी बात पर तुम्हारी जिंदगी या तो बन जाएगी या बिल्कुल बर्बाद हो जाएगी। आचार्य प्रशांत आगे कहते हैं कि यहीं बात दफ्तर के लिए है कि दिन के आठ से दस घंटे आप किन लोगों की शक्लें देखते हैं या आर अपना बॉस बोलते हो, वो यूं ही है कोई सड़क का आदमी जो तुम्हारी जिंदगी पर अब अधिकार रखने लग गया है तो तुम बर्बाद हो जाओगे। यही बात दफ्तर के माहौल पर और धंधे की प्रकृति पर लागू होती है। तुम्हारी संस्था किस तरह का व्यवसाय करती है और तुम्हारे काम में किस तरह के लोग लगे हुए हैं?

जीवन में गुरु की आवश्यकता क्यों?

संकलित
प्रेरणा

एक गाय घास चरने के लिए एक जंगल में चली गई। शाम ढलने के करीब थी। उसने देखा कि एक बाघ उसकी तरफ दबे पांव बढ़ रहा है। वह डर के मारे इधर-उधर भागने लगी। दौड़ते हुए गाय को सामने एक तालाब दिखाई दिया। घबराई हुई गाय उस तालाब के अंदर घुस गई। वह बाघ भी उसका पीछा करते हुए तालाब के अंदर घुस गया। उसमें पानी कम था और वह कीचड़ से भरा हुआ था। उन दोनों के बीच की दूरी काफी कम हुई थी। लेकिन अब वह कुछ नहीं कर पा रहे थे। वह गाय उस कीचड़ के अंदर धीरे-धीरे धंसने लगी। बाघ भीधीरे-धीरे कीचड़ के अंदर धंसने लगा। दोनों भी करीब करीब गले तक उस कीचड़ के अंदर फस गए। दोनों हिल भी नहीं पा रहे थे। गाय के करीब होने के बावजूद वह बाघ उसे पकड़ नहीं पा रहा था। थोड़ी देर बाद गाय ने उस बाघ से पूछा, क्या तुम्हारा कोई गुरु या मालिक है? बाघ ने गुर्राते हुए कहा, मैं तो जंगल का राजा हूं। मेरा कोई मालिक नहीं। मैं खुद ही जंगल का मालिक हूं। गाय ने कहा, लेकिन तुम्हारे उस शक्ति का यहां पर क्या उपयोग है? उस बाघ ने कहा, तुम भी तो फस गई हो और मरने के करीब हो। तुम्हारी भी तो हालत मेरे जैसी है। गाय ने मुस्कुराते हुए कहा, बिलकुल नहीं। मेरा मालिक जब शाम को घर आएगा और मुझे वहां पर नहीं पाएगा तो वह ढूंढते हुए यहां जरूर आएगा और मुझे इस कीचड़ से निकाल कर अपने घर ले जाएगा। तुम्हें कौन ले जाएगा? थोड़ी ही देर में सच में ही एक आदमी वहां पर आया और गाय को कीचड़ से निकालकर अपने घर ले गया।

अंतर्मन

आज की पाती

छोटे दल लोकतंत्र के लिए हानिकारक

भारत जैसे बड़े लोकतांत्रिक देश में सैकड़ों की संख्या में छोटे-छोटे राजनीतिक दलों का होना कितना प्रासंगिक है, यह कहा नहीं जा सकता है, क्योंकि छोटे-छोटे दलों के सीमित समर्थक होते हैं, दृष्टिकोण और दायरा सीमित होता है, जबकि राष्ट्रीय स्तर के बड़े दलों का दृष्टिकोण बड़ा होता है और राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर को प्रभावित करता है। सबका विकास और खुशहाली के लिए एक दलीय या सीमित दलीय स्थिर सरकार की जरूरत होती है। हर देशवासी को देश हित के मद्देनजर छोटे दलों का समर्थन करने के बजाय सशक्त व मजबूत बड़े राष्ट्रीय दल का समर्थन करने की सोच बनाने में ही समझदारी होगी, पर ध्यान रहे कि लोकतंत्र की सलामती के लिए पाशविक बहुमत यानी ब्रूट मैजोरिटी वाली सरकार न बने।

- पारस झा, दुर्ग

करंट अफेयर

रूस ने यूक्रेन के ओडेसा क्षेत्र को बनाया निशाना

देशभर में रात के समय हुए सिलसिलेवार हवाई हमलों में रूस द्वारा दागी गईं मिसाइलों और ड्रोनों ने अनाज और तेल टर्मिनलों सहित दक्षिणी यूक्रेन में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाया है और इसमें कम से कम 12 लोग घायल हो गए। हवाई हमले में लगातार दूसरी रात दक्षिणी बंदरगाह शहर ओडेसा पर निशाना साधा गया। कुछ दिन पहले ही रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा था कि मॉस्को 'ब्लैक सी ग्रेन इनीशियेटिव' में अपनी सहभागिता रोकेगा। इस पहल से दुनिया तक खाद्यान्न का निर्यात बढ़ा और कई ऐसे देशों तक अनाज पहुंचा जो भुखमरी का सामना कर रहे थे। क्रीमिया में रूस के आपातकालीन अधिकारियों ने कहा कि एक सैन्य केंद्र पर आग लगने की वजह से चार गांवों से 2,200 से अधिक लोगों को निकाला गया। क्रीमिया में रूस द्वारा नियुक्त प्रायद्वीपीय मामलों के प्रमुख सर्गेई एक्सियोनोव के अनुसार एक महत्वपूर्ण राजमार्ग को बंद कर दिया गया। उन्होंने किरोव्स्की जिले में केंद्र में आग लगने का कोई कारण नहीं बताया। दो दिन पहले ही रूस को क्रीमिया से जोड़ने वाले पुल पर हमला हुआ था, जिसके लिए रूस ने यूक्रेन को जिम्मेदार ठहराया था।

ऑफ बीट

शैडॉक ने मानव संघर्ष की अनुठी मिसाल पेश की

मेक्सिको के पश्चिमी तट प्रशांत महासागर क्षेत्र में भोजन पकाने की सुविधा और ताजे पानी के बिना जीवित रहकर ऑस्ट्रेलियाई नागरिक टिमोथी शैडॉक ने मानव संघर्ष की एक अनूठी मिसाल पेश की है। टिमोथी शैडॉक ने कहा कि वह समुद्र में क्षतिग्रस्त हो चुके एक पोत पर अपने कुत्ते के साथ महीनों तक भटकते रहे और इस दौरान उनके पास न ही खाना पकाने का कोई तरीका था और न ही बारिश के अलावा ताजे पानी का कोई स्रोत था। टिमोथी ने कई महीनों तक समुद्र से मछली पकड़ कर ही अपना पेट भरा। टिमोथी ने कहा कि उन्होंने जीने की उम्मीद छोड़ दी थी, लेकिन मेक्सिको के मछुआरों ने समय पर पहुंचकर उन्हें बचा लिया। उन्होंने बताया कि जिंदगी के इस कठिन समय के दौरान उन्होंने बहुत कुछ सीखा और इस अनुभव के कुछ प्रेरणादायी पल वह साझा करना चाहते हैं, जैसे वह तैरने और मछली पकड़ने के लिए जब समुद्र में उतरते थे, तो उनका कुत्ता 'बेला' उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता था। टिमोथी ने कहा, 'मुझे उस समय के दौरान बहुत आनंद आया।' उन्होंने मई की शुरुआत में पूर्णिमा को याद किया जिसने अपनी रोशनी से उन्हें बाजा प्रायद्वीप से दूर जाने से बचाया।

ट्रेंड

हर भारतीय खुश होगा

हर भारतीय खुश होगा। इसके लिए अमेरिका का आभारी हूं। ये बहुमूल्य कलाकृतियां सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व रखती हैं। उनकी घर वापसी हमारी विरासत और समृद्ध इतिहास को संरक्षित करने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

जेनरेटिव एआई के जोखिम

जेनरेटिव एआई में बड़े पैमाने पर अच्छाई व बुराई की संभावनाएं हैं। इसके रचनाकारों ने भी चेतावनी दी है कि आगे अस्तित्व संबंधी जोखिम आने वाले हैं। इन जोखिमों को दूर करने के लिए भावी पीढ़ियों के प्रति अपनी जिम्मेदारियों से वंचित हैं।

-एंटोनियो गुतरेस, यूएन महासचिव

अध्यादेश वापस लेने की मांग

सर्वदलीय बैठक में मोदी सरकार से दिल्ली के काले अध्यादेश को वापस लेने की मांग उठाई। सुप्रीम कोर्ट के 5 जजों का फ़ैसला 8 दिन कैसे बदल दिया गया? आख़िर अध्यादेश के ज़रिये संविधान संशोधन कैसे किया जा सकता है?

-संजय सिंह, आप सांसद

वो बेचारे नहीं

जो लोग आपको आसानी से प्यार या चिंता दिखाते हैं, वे हताश नहीं होते। वो बेचारे नहीं है। वे आपकी अटेंशन के भी भूखे नहीं है। उन्हें हल्के में न लें। वे आपकी संपत्ति हैं. उन्हें जाने मत दो!

-अनुपम खेर, अभिनेता

एक नज़र

होटल में तोड़फोड़, मंत्री के भतीजे के खिलाफ FIR

हिलव्यू समाचार
जयपुर। वैशाली नगर थाना इलाके में क्वींस रोड स्थित एक होटल में मंगलवार रात को महिला पर कमेंट्स करने को लेकर दो पक्षों में झगड़ा हो गया। मामले की सूचना पर मोके पर पहुंची पुलिस ने अश्लील कमेंट्स करने वाले एक युवक को हिरासत में लिया है।

हालांकि, इस मामले में होटल की तरफ से मंत्री प्रताप सिंह के भाई करण सिंह के बेटे हर्षदीप सिंह पर एफआईआर दर्ज कराई गई है। इस दौरान मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल भी हो गया है, जिसमें कुछ युवक पुलिस की मौजूदगी में मारपीट करते व होटल में तोड़फोड़ करते नजर आ रहे हैं। पुलिस ने बताया कि निवारू रोड निवासी एक व्यक्ति रात को पत्नी के साथ होटल काउंटी इन में खाना खा रहा था। इस दौरान एक व्यक्ति ने नशे की हालत में उसकी पत्नी के साथ बदतमीजी कर दी। उस समय सिविल लाइंस निवासी भानुप्रताप भी होटल में खाना खा रहे थे। जब अश्लीलता करने वाले व्यक्ति को बाहर जाने के लिए कहा तो उसने चाकू से हमला करने का प्रयास किया। बताया जा रहा है कि महिला के पास में बैठे हर्षदीप सिंह खाचरियावास ने उन्हें बचाया। हर्षदीप कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास का भतीजा बताया जा रहा है। हालांकि, भानू प्रताप ने भी अश्लीलता करने वाले व्यक्ति के खिलाफ परिवाद दर्ज कराया है। थानाप्रभारी शिवनारायण ने बताया कि बताया दोनों पक्षों की तरफ से शिकायत दी गई है। अभी मामले की जांच की जा रही है। होटल के भवानी सिंह ने पुलिस में एफआईआर दर्ज करवाई है।

स्वास्थ्य निरीक्षक 40 हजार रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। एसीबी मुख्यालय की विशेष अनुसंधान इकाई जयपुर ने बुधवार को रेलवे के मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक को 40 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। उत्तर पश्चिम रेलवे मंडल सीकर में कार्यरत विकास कुमार मीणा ने यह राशि बकाया बिलों को पास करने की एवज में ली थी। एसीबी एडीजी हेमंत प्रियदर्शी ने बताया कि विशेष अनुसंधान इकाई को परिवादी ने शिकायत दी कि उसकी ओर से बांदीकुई पोस्टिंग के दौरान किए कार्यों के बकाया बिलों को पास करने की एवज में विकास कुमार मीणा 50 हजार रुपए की घूस लेकर परेशान कर रहा है। इस पर एसीबी की टीम ने शिकायत का सत्यापन कर विकास कुमार मीणा निवासी टोडाभीम करौली को परिवादी से 40 हजार रुपए की घूस लेते दबोच लिया।

दुष्कर्म का प्रयास करने का आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। एसएमएस अस्पताल में एक युवती के साथ छेड़छाड़ करने का मामला सामने आया है। मरीज की सेवा के लिए निजी केयर टेकर कंपनी से कॉटेज रूम में बुलाई गई युवती के साथ अस्पताल में भर्ती एक युवक ने छेड़छाड़ करते हुए दुष्कर्म तक करने का प्रयास किया। युवती की शिकायत के बाद 40 वर्षीय युवक सुनील यादव मूलतः अलवर के तिजारा निवासी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। यह मोटापा कम करने की सर्जरी करवाने के लिए 8 जुलाई को एसएमएस में भर्ती हुआ था। तब से वह धन्वंतरी बिल्डिंग स्थित कॉटेज में ही था। यह भी सामने आया है कि यह एक विधायक की सिफारिश से यहां भर्ती हुआ था।

गहलोत सरकार सख्त: विधानसभा में संगठित अपराध का नियंत्रण विधेयक पारित

अपराधी को मृत्युदंड और साथ देने वाले को उम्रकैद

जयपुर(हिलव्यू समाचार)। विधानसभा में मंगलवार को प्रदेश में संगठित अपराधों पर रोक लगाने लिए राजस्थान संगठित अपराध का नियंत्रण विधेयक–2023 पारित कर दिया गया। कानून के अस्तित्व में आने के बाद संगठित तौर पर अपराधों को अंजाम देने वाले अपराधियों को मृत्यु दंड तक की सजा का प्रावधान किया गया है। अपराधियों को संरक्षण या आश्रय देता है तो ऐसे व्यक्ति के लिए कड़े जुर्माने और उम्र कैद तक की सजा का प्रावधान किया गया है। वहीं अपराधियों के पैसा निवेश करने वालों पर भी सख्त सजा का प्रावधान किया गया है। इस तरह का कानून बनाने वाला राजस्थान देश का चौथा राज्य है। पूर्व में महाराष्ट्र, कर्नाटक एवं गुजरात में इस तरह के कानून लागू किए जा चुके हैं।

कठोर कानून से अपराध पर लगेगा अंकुश: धारीवाल

संसदीय मंत्री शांति धारीवाल विधानसभा में कहा कि विधेयक में अपराधियों की अर्जित संपत्ति को जब्त करने के साथ ही विशेष न्यायालयों की स्थापना एवं विशेष लोक अभियोजकों की नियुक्ति करने के प्रावधान किए गए हैं, ताकि मुकदमों का शीघ्र निस्तारण हो सके। इसमें अपराधियों की जमानत एवं अग्रिम जमानत नहीं होने के भी प्रावधान किए गए हैं। संगठित गिरोह कई संगीन अपराधों में लिप्त हैं। ये गिरोह कानून और प्रक्रिया के सुधारात्मक और पुनर्वास संबंधी पहलुओं का लाभ उठाते हुए अपराध करने के लिए अभिरक्षा से रिहा भी हो जाते हैं। इसलिए इन अपराधियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए आवश्यक कठोर कानून की यह विधेयक पूर्ति करेगा।

नए कानून में ये प्रावधान

- अपराध के कारण किसी व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है तो मृत्यु या आजीवन कारावास का दंड, न्यूनतम एक लाख रुपए तक का जुर्माना
- सामान्य मामले में कम से कम पांच वर्ष की सजा और आजीवन कारावास, न्यूनतम पांच लाख का जुर्माना
- संगठित अपराध को करने का षड्यंत्र करने वाले को भी पांच वर्ष से लेकर आजीवन कारावास और न्यूनतम पांच लाख जुर्माना
- संगठित अपराध सिंडिकेट के किसी भी सदस्य को संश्रय देता है या ऐसे गैंग का सदस्य है उसे आजीवन कारावास तक की सजा और पांच लाख का कम से कम जुर्माना।

ग्रेटर निगम का दावा: यह प्रदेश का पहला मामला

निगम ने दिया ट्रांसजेंडर को जन्म प्रमाण पत्र

हिलव्यू समाचार
जयपुर। नगर निगम ग्रेटर ने बुधवार को प्रदेश का पहला ट्रांसजेडर जन्म प्रमाण पत्र जारी किया है। आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के अधिकारियों का दावा है कि इससे पहले पूरे राज्य में कभी किसी ट्रांसजेंडर को बर्थ सर्टिफिकेट नहीं दिया गया।

विभाग निदेशक और जन्म-मृत्यु के चीफ रजिस्ट्रार भंवरलाल बैरवा ने बताया कि राजस्थान में पहली बार थर्ड जेंडर को जन्म प्रमाण पत्र जारी किया गया है। अब हमारे पोर्टल पर थर्ड जेंडर का भी रिकॉर्ड मिलेगा। इसके लिए निगम आने वाले समय में जागरूकता कार्यक्रम चलाएगा।

उन्होंने बताया कि सरकार ट्रांसजेंडर को उनकी नई पहचान के साथ समाज की मुख्य भूमिका में जोड़ने का काम कर रही है। वोटर लिस्ट में ट्रांसजेंडर का नाम जोड़ने का काम चल रहा है। इसके साथ ही अब ड्राइविंग लाइसेंस आदि बनाने के लिए जन्म प्रमाण पत्र के लिए यह वर्ग आगे आ रहा है।

हमारा मजाक न बनाएं

ट्रांसजेंडर नूर शेखावत ने बताया कि उसने 12वीं की। फिर कॉलेज में माहौल ठीक नहीं था। वहां स्कूल से उसके साथ पढ़ने वाले स्टूडेंट्स ट्रांसजेंडर होने पर ताने मारते, लेकिन मैंने हार नहीं मानी। नूर ने कहा- हमें भी उतने ही अधिकार दिए जाने चाहिए, जितने कि आम आदमी को है। मेरी समाज के लोगों से विनती है कि हमारा मजाक न बनाएं। हमें भी समाज में सिर उठा कर जीने की आजादी दें।

सभी जेलों में लगेंगे जैमर, मूलभूत सुविधाओं में होगा विस्तार

हिलव्यू समाचार
जयपुर। कारागार मंत्री टीकाराम जूली ने कहा कि वर्तमान में राज्य में 129 वर्ष पुराना प्रशासन एवं प्रबंधन कारागार अधिनियम–1894 एवं 63 वर्ष पुराना राजस्थान बंदी अधिनियम–1960 प्रभावी है। इन अधिनियमों में समय-समय पर किए गए विभिन्न संशोधनों को मिलाकर राजस्थान कारागार विधेयक - 2023 लाया गया है। यह विधेयक बंदियों के साथ ही जेलों में कार्यरत अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए कार्य करेगा। मंगलवार को विधानसभा में राजस्थान कारागार विधेयक–2023 पर हुई चर्चा के बाद जूली अपना जवाब दे रहे थे। विधेयक पर चर्चा के बाद सदन ने विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया।

96 प्रतिशत जेलों में वीसी की सुविधा

जूली ने बताया कि जेलों में सुविधाओं का विस्तार तीव्र गति से किया जा रहा है। प्रदेश की 96 प्रतिशत जेलों में वीसी के माध्यम से पेशी की सुविधा उपलब्ध है और जल्द ही शेष जेलों में भी यह सुविधा स्थापित कर ली जाएगी। साथ ही, जेलों में सुरक्षा की दृष्टि से जैमर लगाए जाएंगे। प्रशासनिक, पुलिस एवं न्यायिक अधिकारियों द्वारा जेलों का निरन्तर निरीक्षण किए जा रहा है। लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों पर कड़ी कार्रवाई भी की जा रही है। ऐसे कुछ मामलों में अधिकारियों-कर्मचारियों को निलंबित एवं बर्खास्तगी की कार्यवाही भी की गई है।

चौधरी ने बजरी मामले में अपनी ही सरकार को घेरा

पूर्व मंत्री व बायतु विधायक हरीश चौधरी ने विधानसभा में संगठित अपराध और बजरी के मुद्दे पर जमकर हमला बोला। उन्होंने बजरी के मुद्दे पर बोलते हुए कहा कि उच्चतम न्यायालय के आदेशानुसार लीजधारक को ही रॉयल्टी के ठेके का अधिकार है। ओपन बिड के आधार पर ही ठेके दिए गए हैं। जहां बजरी की लीज खत्म हो चुकी है और लीजधारक को ही बजरी स्टॉक करने का अधिकार है। चौधरी ने कहा कि बजरी के मुद्दे पर विवाद करने वाले अपनी ही जेब भर रहे हैं। यह पैसा आम जनता की जेब से ही लिया जा रहा है। उन्होंने पूछा कि बजरी के मुद्दे पर राजनीति करने वाले लोग जनता के बीच सही बात बताने कभी नहीं जाएंगे। हंगामा करने वाले लोग ठेकेदारों का फायदा चाहते हैं, जनता का नहीं।

जेके लोन में आग, मचा हड़कंप

हादसा टला... बचाई 30 बच्चों की जान

हिलव्यू समाचार
जयपुर। जेके लोन अस्पताल में सोमवार देर रात आग लगने से हड़कंप मच गया, जिस वार्ड में आग लगी थी उसमें करीब 30 बच्चे भर्ती थे। हालांकि एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया और सभी बच्चों को बचा लिया गया। इस घटना को गंभीर मानते हुए प्रमुख शासन सचिव ने एक कमेटी का गठन किया है। कमेटी दो दिन में अपनी रिपोर्ट देगी।

सोमवार देर रात अस्पताल के नवनिर्मित प्री-फैब्रिक वार्ड में आग लगने से 30 बच्चों की जान जोखिम में पड़ गई। चिकित्सकों ने वार्ड से सभी बच्चों को सुरक्षित निकाल लिया नहीं तो बड़ी जनहानि हो जाती। चार महीने पहले ही बने वार्ड में आग लगने से निर्माण में कोताही बरतने अंदेशा जताया जा रहा है। निगम हेरिटेज के मुख्य अग्निशमन अधिकारी देवेंद्र मीना ने बताया कि वार्ड में लगा फायर सिस्टम ठीक काम नहीं कर रहा था, आग बुझाने में तीन दमकल को दो घंटे से अधिक समय लग गया, जबकि अस्पताल अधीक्षक डॉ. कैलाश मीना ने सिस्टम के ठीक नहीं होने की बात को नकारते हुए कहा कि अगर सिस्टम ठीक नहीं होता तो 10 मिनट में आग नहीं बुझ पाती।

वार्ड में 22 कैंसर पीड़ित बच्चे थे भर्ती

अस्पताल अधीक्षक डॉ. कैलाश मीणा ने बताया कि सोमवार रात करीब 10.20 बजे वार्ड में मौजूद नर्सिंग स्टाफ को प्री-फैब्रिक वार्ड के एसी की डक्ट लाइन से धुंआ उठता दिखाई दिया। तुरंत चिकित्सक और कर्मचारियों ने वार्ड में भर्ती 30 बच्चों को वार्ड से निकाल आईसीयू में शिफ्ट किया। 30 में से 22 बच्चे कैंसर पीड़ित थे। वार्ड को खाली करने के बाद चिकित्सक और अन्य स्टाफ ने वार्ड में मौजूद आग बुझाने के यंत्रों से ही आग को बुझाया और बड़ा हादसा होने से रोका।

प्रदर्शन: उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनियां और विप्र कल्याण बोर्ड अध्यक्ष महेश शर्मा के सामने रखी मांगें

पुजारियों पर होने वाले अत्याचार को रोकने के लिए जल्द बने कानून

हिलव्यू समाचार
जयपुर। पुजारी सेवक महासंघ के तत्वावधान में प्रदेश के सैकड़ों पुजारी अपनी पंद्रह सूत्री मांगों को लेकर बुधवार को शहीद स्मारक पर प्रदर्शन किया। इस दौरान पुजारियों ने भाजपा के उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनियां और विप्र कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष महेश शर्मा से पुजारियों की 15 मांगों को पूरा करने के लिए कहा। रम्भू पंडित ने कहा कि पुजारियों को भिखारी बनाने की मानसिकता राष्ट्र घातक है।

पुजारी आशीर्वाद देना जानता है तो श्राप देना भी जानता है। हाथोज धाम के महाराज महा मंडलेश्वर बालमुकुंदाचार्य ने कहा कि सरकार पुजारी-सेवकों के लिए सकारात्मक रुक अपनाकर पुजारियों की सभी मांगों को पूरा करें। वरिष्ठ पत्रकार डॉ. गोपाल शर्मा ने कहा कि मंदिर भारत की एकता-अखंडता-राष्ट्रीयता के केंद्र हैं। मंदिर हमारी सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक भी है। पुजारियों की मांग पर सरकार को जरूर अमल करना चाहिए। प्रदर्शन में आए नेताओं ने राजस्थान में वैदिक संस्कार एवं शिक्षा बोर्ड के गठन, पुजारियों की हत्या, आत्म बलिदान के दोषियों को सजा, पीड़ित परिवारों को राज्य सरकार से सहायता, संत-महात्माओं और पुजारियों पर होने अत्याचार-प्रताड़ना को रोकने के लिए कानूनी प्रावधान की मांगों पर जोर दिया। महाप्रदर्शन में जुटे पुजारियों को चौमूं विधायक रामलाल शर्मा, राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास मंडल सभापति एस डी शर्मा, पुजारी सेवक महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेश शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष रंभू पंडित, महामंत्री रोशन लाल भारद्वाज ने भी संबोधित किया। प्रदेश प्रमुख महामंत्री रतन लाल शर्मा ने बताया कि प्रदर्शन में प्रदेश के विभिन्न मंदिरों से जुड़े संत-महंत, पुजारी, पुरोहित एवं सेवक परिवार सहित शामिल हुए।

SMS गेट पर गणेश चालीसा का पाठ

राजस्थान नर्सेज संयुक्त संघर्ष समिति के तत्वावधान में धरना दे रहे नर्सेज ने अस्पताल के मुख्य गेट पर बुधवार को गणेश चालीसा का पाठ किया। जिला संयोजक अनेश सैनी ने बताया कि बुधवार को जेके लोन हॉस्पिटल के गोविंद शर्मा, पवन सोनी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में नर्सेजों ने गणेश चालीसा का पाठ किया। धरने में महिपाल सामोता, राजू सिंह, सोम सिंह मीणा, आशीष भारद्वाज, मनोज दुब्बी, शकुंतला पूनियां, ममता दुबे, राजू सिंह, नरेन्द्र कुमार, पिंकी, हेमंत, रमेश सैनी, संजीव यादव, पवन, रणजीत सहित सैकड़ों नर्सिंगकर्मी सम्मिलित हुए।

अमृत 2.0 के तहत प्रदेश के तीन शहरों में लगेंगे स्मार्ट मीटर

25 करोड़ की लागत से बदलेंगे 30 हजार खराब मीटर

हिलव्यू समाचार
जयपुर। प्रदेश के तीन शहरों में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा प्रथम चरण में 30 हजार खराब वाटर मीटर की जगह स्मार्ट वाटर मीटर लगाए जाएंगे।

इसमें जयपुर शहर के 15 हजार खराब मीटर बदलेंगे। इसके लिए 25 करोड़ का अनुमोदन किया गया है। जलदाय मंत्री डॉ. महेश जोशी ने बताया कि विभिन्न योजनाओं में उपभोक्ताओं के खराब मीटर बदलने की प्रक्रिया जयपुर सहित प्रदेश के अन्य शहरों में चल रही है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की बजट घोषणा के अंतर्गत जयपुर

शहर के शेष करीब 1 लाख 35 हजार खराब मीटर भी अमृत 2.0 के तहत क्रमबद्ध तरीके से दो माह से अधिक समय का एक साथ नहीं आएगा बिल।। जोशी ने कहा कि जयपुर शहर के उपभोक्ताओं को दो माह से अधिक के पानी के बकाया बिल एक साथ नहीं भेजने को लेकर विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए गए है। उपभोक्ताओं को निश्चित समय अंतराल पर भी बिल भेजे जाएं, ताकि किसी भी उपभोक्ता पर एक साथ आर्थिक भार नहीं आए। डॉ. जोशी ने बताया कि सीएम अशोक गहलोत की घोषणा के तहत प्रदेश में चालू मीटर वाले घरेलू उपभोक्ताओं को प्रतिमाह 15 हजार लीटर तक जल उपभोग पर जल शुल्क में शत-प्रतिशत छूट दी गई है।

राज्य सरकार के अधिकार सीमित, केंद्र दे मंजूरी

उन्होंने कहा कि जेजेएम में केंद्र सरकार की तुलना में राज्य सरकार के पास अधिकार सीमित हैं। जबकि पैसा राज्य सरकार का अधिक खर्च हो रहा है और सारे संसाधन भी हमारे ही काम में लिए जा रहे हैं। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने 2022 की बीएसआर को अनुमत करने का आग्रह किया था। लेकिन केंद्र की मंजूरी नहीं मिल पाई। इसके बाद जो टेंडर आए, उनमें दरें अधिक आईं। डॉ. जोशी ने बताया कि परियोजना के क्रियान्वयन के लिए निविदा 9 सितंबर को आमंत्रित की गई थी, जिसे वित्त समिति ने 18 जनवरी पत्रित कर दिया गया। कार्यादेश जारी होने के 20 माह में कार्यों को पूर्ण किया जाना प्रस्तावित है।

वृहद पेयजल परियोजना का 20 माह में पूर्ण होगा कार्य

धौलपुर जिले के 200 से अधिक गांवों को जल जीवन मिशन के अन्तर्गत लाभान्वित करने के लिए चम्बल लिफ्ट परियोजना आधारित वृहद पेयजल परियोजना कार्यादेश जारी होने के 20 माह की अवधि में पूरा होगा। इसके लिए निविदा अनुमोदन की प्रक्रिया में है। उन्होंने कहा कि केन्द्र द्वारा वर्ष 2022 की बीएसआर को अनुमति नहीं करने सहित अन्य नीतिगत प्रक्रियाओं के कारण इसमें स्वाभाविक विलम्ब हुआ। साथ ही पंचायत समिति धौलपुर और राजाखेड़ा के 190 गांवों को जेजेएम के अंतर्गत 343.39 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है। योजना की संशोधित तकनीकी स्वीकृति राशि 251.25 करोड़ जारी की गई है।

एक नज़र

नहीं चढ़नी पड़ेंगी सीढ़ियां, रोप वे से होंगे गढ़ गणेश के दर्शन

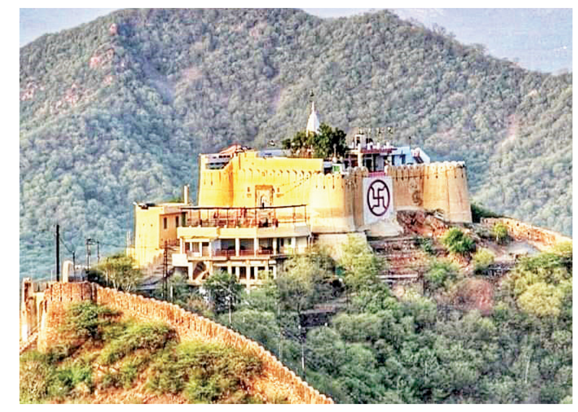

हिलव्यू समाचार
जयपुर। प्रथम पूज्य भगवान गणेश के भक्तों के लिए खुशखबरी आई है। शहर के नाहरगढ़ की पहाडी पर विराजमान प्राचीन गढ़ गणेश मंदिर तक रोप वे कार्य का शुभारम्भ बुधवार को हो गया है।

इसके लिए गेटोर की छतरी के पास से जेसीबी ने खुदाई करना शुरू कर दिया है। रोप वे बनने के बाद यहां आने वाले श्रद्धालुओं को भगवान गणेश जी के दर्शन के लिए 365 सीढ़ी चढ़ने का इंतजार नहीं करना पड़ेगा और मात्र तीन मिनट में ही भक्तों को गणपति के दर्शन हो जाएंगे।

महंत ने पूजा- अर्चना कर शुरू कराया कार्य

बुधवार को मंदिर महंत पं. प्रदीप औदिच्य और महेश औदित्य ने मशीन की पूजा अर्चना कर कार्य को शुरू कराया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज प्रथम पूज्य गणेश जी के मंदिर पर बहुप्रतिक्षित रोप वे का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। रोप के निर्माण से बुजुर्ग लोगों को ज्यादा फायदा हो पाएगा।

मंत्री महेश जोशी ने निभाई बड़ी भूमिका

उन्होंने बताया कि रोप वे का लगना आसान कार्य नहीं था। पहाड़ी क्षेत्र वन विभाग में आने के कारण मार्ग की एनओसी नहीं मिल पा रही थी, लेकिन भगवान के आशीर्वाद से स्थानीय विधायक और जलदाय मंत्री महेश जोशी ने गढ़ गणेश मंदिर में रोप-वे के लिए फर्स्ट स्टेज में वन विभाग की सैद्धांतिक स्वीकृति दिलवाई और अन्य कई कार्य भी प्रशासन से कराए। इसके बाद रोप-वे बनाने के लिए वन विभाग की जमीन का डायवर्जन प्रमाण पत्र भी जारी कर दिया। इस प्रोजेक्ट के लिए 0.45 हैक्टेयर जमीन वन विभाग से ली गई है, जिसके बदले प्रशासन वन विभाग को दूसरी जगह जमीन उपलब्ध करवाएगा।

गेटोर की छतरियों से शुरू होगी यात्रा

नहर के गणेशजी से गढ़ गणेशजी तक 290 मीटर दूरी हैं। इस दूरी को तय करने के लिए श्रद्धालुओं को 365 खड़ी सीढ़ियां चढ़नी पड़ती है। इसमें सबसे ज्यादा परेशानी बच्चों, बुजुर्ग और विशेष योग्यजनों को होती हैं। ऐसे में नीचे से ही भगवान श्रीगणेश के हाथ जोड़कर पूजा-अर्चना करते हैं। रोप-वे बनने के बाद ये श्रद्धालु मंदिर तक आसानी से जा सकेंगे। यहां बनने वाले रोप-वे 6 ट्रॉलिया का सेटअप लगेगा और एक ट्रॉली में 6 व्यक्ति एक साथ बैठ सकेंगे।

सुभाष नगर थाना क्षेत्र की घटना

गन्ने के जूस की मशीन ने निगली दो कामगारों की जान

हिलव्यू समाचार
भीलवाड़ा। उन दोनों में गहरी गहरी दोस्ती थी, रोजाना साथ सोते और साथ उठते, मगर एक दिन ऐसा आया कि रोजाना होने वाला यह सिलसिला हमेशा के लिए थम गया और दोनों की एक साथ मौत हो गई। यह कहानी है दो कामगार दोस्तों की। मामला शहर के बस स्टैंड के मेन गेट का है। जहां बुधवार सुबह तेज बारिश के बीच गन्ने की मशीन के तार से करंट आने से पानी में करंट फैलने पर एक दिव्यांग समेत दो की मौत हो गई।

सुभाष नगर थाना प्रभारी शिवराज गुर्जर ने बताया कि बुधवार सुबह बस स्टैंड के मैन गेट पर करंट फैल जाने से बाबूलाल मीणा और नौशाद नाम के युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार बाबूलाल और नौशाद दोनों बस स्टैंड पर सोते थे और साथ उठते थे। बाबूलाल दिव्यांग था और बस स्टैंड के पास स्थित एक दुकान पर पंक्चर बनाने का काम करता था।

वहीं, नौशाद बस स्टैंड पर स्थित एक होटल में काम करता था। पुलिस ने बताया कि मंगलवार देर रात बारिश की वजह से बस स्टैंड परिसर में पानी भर था। गन्ने का ज्यूस निकालने की मशीन का बिजली का तार लोहे के पाइप को छू गया था। इससे बाबूलाल उसकी चपेट में आ गया। उसे बचाने के प्रयास में नौशादी की भी मौत हो गई।

बदमाशों ने टोल मांगने पर कर्मचारी को मारी गोली

हिलव्यू समाचार
सीकर। जिले के रलावता कस्बे के टोल प्लाजा पर बुधवार सुबह बदमाशों ने टोल मांगने पर कर्मचारी पर गोली चला दी। गोली लगने से एक टोलकर्मी घायल हो गया। गंभीर हालत में उसे जयपुर रेफर किया गया। जानकारी के अनुसार एक बिना नंबर की तेर रफ्तार स्विफ्ट का बैरियर तोड़ते हुए टोल से आगे निकलने लगी। इस दौरान टोल कर्मियों ने कार को रोका और टोल मांगा। इससे गुस्साए कार सवार नीचे उतरे और एक टोलकर्मी पर गोली चला दी। सूचना मिलने के बाद कार को नीम का थाना पुलिस ने पकड़ लिया। पुलिस ने कार सवार चार युवक और एक युवती को गिरफ्तार कर लिया है।

जोधपुर के ओसियां में दिल दहला देने वाली घटना

पहले गर्दन रेती... फिर चारों शव आग के हवाले

6 माह की बच्ची समेत परिवार के 4 लोगों की हत्या

विधानसभा में गूंजा मामला, सरकार ने कहा... आपसी रंजिश

पुलिस ने मृतक के एक भतीजे को किया गिरफ्तार

हिलव्यू समाचार
जोधपुर। प्रदेश में फिर से कानून व्यवस्था को मुंह चिढ़ाती एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। जोधपुर के ओसियां थाना क्षेत्र के चेराई कस्बे के समीपस्थ रामनगर गांव में एक ही परिवार के चार लोगों की हत्या से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। हमलावरों ने पहले तो निर्ममता से परिवार के सदस्यों का गला काटा और फिर सुबह-सुबह उनके झोंपड़े में आग लगा दी। ग्रामीणों ने आग देख तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। ग्रामीणों की सूचना पर ओसियां थाना पुलिस मौके पर पहुंची और अधजले शवों को कब्जे में लेकर सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस ने बताया कि मृतकों में छह महीने की बच्ची भी शामिल है। पुलिस ने हत्या के आरोपी पप्पू राम जाट पुत्र भैराराम (19) निवासी चेराई को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी मृतक बुजुर्ग का भतीजा है।

हत्या का आरोपी पप्पू राम जाट

प्रदेश की कानून व्यवस्था चौपट: भाजपा

इस नृशंस हत्याकांड का मामला विधानसभा में भी गूंजा। पहले ओसियां विधायक दिव्या मदेरणा ने प्रश्नकाल शुरू होते ही यह मामला उठाया, लेकिन स्पीकर सीपी जोशी ने अनुमति नहीं दी। बाद में आरएलपी के विधायक पुखराज गर्ग ने यह मामला उठाया। विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी के निर्देश पर सरकार की तरफ से घटना पर वक्तव्य दिया गया। संसदीय कार्य मंत्री शांति कुमार धारीवाल ने बताया कि प्रारम्भिक जांच में पुलिस को इन हत्याओं के पीछे जमीन विवाद एवं आपसी रंजिश नजर आ रही है। मामले में नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने पुलिस पर जानकारी मिलने के बाद भी विलंब से पहुंचने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश की कानून व्यवस्था चौपट है।

जमीन विवाद, रंजिश में की वारदात: डीजीपी

पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने बताया कि पूछताछ में सामने आया है कि रामनगर निवासी दो भाइयों भैराराम और पूनाराम के परिवार की बीच जमीनी विवाद चल रहा था। इसी बीच भैराराम के बेटे तेजाराम की संदिग्ध परिस्थितियों में सूरत (गुजरात) में मृत्यु हो गई। भैराराम को शक था कि उसके बेटे की हत्या पूनाराम के परिवार ने कराई है। इससे रंजिश और बढ़ गई। इसी वजह से बुधवार सुबह करीब तीन बजे भैराराम का दूसरा बेटा पप्पू राम कुल्हाड़ी लेकर पूनाराम की ढाणी पहुंचा और पूनाराम (55) और उसकी पत्नी भंवरी देवी (50) की कुल्हाड़ी से हत्या कर दी। उसके बाद अंदर सो रही पुत्रवधू धापू (24) और उसकी बेटी मनीषा (6 माह) की भी हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी ने चारों शवों को झोंपड़े में रख कर आग लगा दी और भाग गया। घटना की गंभीरता को देख एडीजी (अपराध) दिनेश एमएन को ओसियां भेजा गया। घटना की सूचना मिलते ही आईजी रेंज जयनारायण शेर, एसपी धर्मेंद्र यादव समेत तमाम पुलिस और प्रशासनिक अमला तुरन्त मौके पर पहुंच गया। कानून व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने के लिए वहां अतिरिक्त जाब्ता बुलाया गया।

सीआईडी-सीबी ने पकड़ी 75 लाख की अफीम, दो तस्कर गिरफ्तार

हिलव्यू समाचार
अजमेर। राजस्थान पुलिस लगातार नशे के कारोबारियों पर कार्रवाई कर जेल की सलाखों के पीछे पहुंचा रही है। मादक पदार्थों की खेप पकड़ में आ रही है। ताजा मामला चित्तौड़गढ़ जिले के बेंगू थाना क्षेत्र का है। जहां संगठित अपराध के खिलाफ सीआईडी क्राइम ब्रांच पुलिस मुख्यालय की टीम ने कार्रवाई की। वहां के रामपुरिया गांव में दबिश देकर दो तस्करों को पकड़कर 75 लाख कीमत की 2 किलो अफीम, 8 किलो अफीम का 260 लीटर घोल, 24 किलो अफीम डोडा चुरा समेत एक स्कॉर्पियो, तीन बाइक और दो मोबाइल जब्त किए गए। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध दिनेश एमएन ने बताया कि क्राइम ब्रांच के हेड कांस्टेबल शंकर दयाल शर्मा, कमल सिंह, रामनिवास, कॉन्स्टेबल देवेंद्र सिंह, गोपाल लाल, विजय सिंह व विश्राम को सूचना मिली कि चित्तौड़गढ़ के बेंगू थाना क्षेत्र में रामपुरिया गांव निवासी राधेश्याम धाकड़ ने अपने घर में भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ छुपा रखा है।

सूचना पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशाराम चौधरी के सुपरविजन और पुलिस निरीक्षक रामसिंह नाथावत के नेतृत्व में टीम गठित की गई। इस टीम ने बेंगू थाना पुलिस के सहयोग से आरोपी राधेश्याम धाकड़ के घर पर दबिश दी।

'नही सहेगा राजस्थान' अभियान

बीजेपी सरकार बनने पर RPSC को भंग कर नए सिरे से होगा गठन

हिलव्यू समाचार
जयपुर। प्रदेश की राज्य सरकार पर भाजपा पदाधिकारी लगातार जुबानी हमला बोल रहे है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने जयपुर स्थित पार्टी मुख्यालय से बुधवार को कांग्रेस के चुनावी घोषणा पत्र के वादे, भ्रष्टाचार और पेपरलीक मामलों को लेकर घेरा। सीपी जोशी ने कहा कि प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने पर राजस्थान लोक सेवा आयोग को भंग कर यूपीएससी की तर्ज पर नए सिरे से गठन किया जाएगा ताकि भर्तियां पारदर्शी तरीके से हो सकें। प्रदेशाध्यक्ष जोशी बोले कि पेपर लीक जैसी घटनाओं को लेकर भाजयुमो के कार्यकर्ता मंगलवार को आरपीएससी पर शांतिपूर्वक प्रदर्शन करने पर प्रदेश की राज्य सरकार के निर्देश पर पुलिस प्रशासन ने बर्बरतापूर्ण लाठीचार्ज किया। इस लाठीचार्ज में भाजयुमो के कई कार्यकर्ता घायल हो गए। क्या इस सरकार में प्रदर्शन करने का भी अधिकार नहीं हैं? उन्होंने कहा कि सरकार बर्बरता पूर्वक कार्रवाई कर युवाओं की आवाज को दबा रही है, लेकिन इससे यह सिलसिला रुकने वाला नहीं है।

सरकार ने भ्रष्टाचार की एक नई इंडस्ट्री खोल ली: सीपी जोशी

जोशी ने कहा कि किसान कर्ज माफी का वादा सरकार ने साढ़े चार सालों में पूरा नहीं किया। राजस्थान के युवाओं को बेरोजगारी भत्ता तो नहीं मिला, लेकिन आरपीएससी के जरिए इस सरकार ने भ्रष्टाचार की एक नई इंडस्ट्री खोल ली है। बाबूलाल कटारा कौन हैं? उसे किसने बनाया? कटारा ने कहा था कि मैं एक करोड़ रुपए देकर आरपीएससी का सदस्य बना। इस पर राज्य को जवाब देना चाहिए। संविदाकर्मी सड़कों पर संघर्ष कर रहे हैं, उसका जिम्मेदार कौन है। देश में कश्मीर के बाद अगर सबसे ज्यादा इंटरनेट कहीं बंद होता है तो राजस्थान में बंद होता है। आखिर इसकी जरूरत क्यों पड़ती है। राज्य सरकार को इस पर जवाब देना चाहिए।

बेलगाम भ्रष्टाचार और बेरोजगारी: राठौड़

वहीं कर्नल राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़ ने जयपुर ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र के पावटा में "नही सहेगा राजस्थान" अभियान के तहत संबोधित करते हुए कहा कि राजस्थान प्रदेश अपराध का गढ़ बन चुका हैं। पौने पांच सालों में 11 लाख अपराध के मुकदमे दर्ज हुए हैं। जयपुर ग्रामीण क्षेत्र तक मेंअपराधिक घटनाएं बढ़ी हैं। दूसरे राज्यो से अपराधी यहां शरण ले रहे हैं। जबकी भाजपा शसित राज्यों में अपराध का ग्राफ़ तेजी से नीचे गिरा हैं। यूपी में क्राइम का सफाया हुआ। साढ़े चार साल में कांग्रेस का सिर्फ एक ही नारा रहा अपराधियों,अलगावादियों पधारो म्हारे देश। कांग्रेस राज में तुष्टिकरण भी चरम पर दिखा गया। टोंक जिले के मालपुरा में गुर्जर मोहल्ला ,शाहदाब मोहल्ला बन चुका है कुछ समय मोहल्ले में साम्प्रदायिक हिंसा हुई थी और वंहा गुर्जरों के नाम पर वोट होने वाले कांग्रेस के गुर्जर नेता नहीं पहुंचे।

भाजपा राज में RPSC मामले की जांच करवाएंगे: शेखावत

वहीं केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा भाजपा की सरकार आती है तो आरपीएससी मुद्दें की ठीक से जांच करवाएंगे और अभी जो मंत्री बने बैठे हैं उनको भी जेल जाना पड़ सकता है। कांग्रेस सरकार पर तुष्टीकरण का आरोप लगाते हुए शेखावत ने कहा कि यह सरकार औरंगजेब के रास्ते पर चल रही हैं। कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के परिवार के चार-चार लोग आरएएस बन गए। आठवीं में तीन बार फेल होने वाले आरएएस बन जाते हैं।

अद्भुत और रोमांचक दुनिया

दिमाग-फेफड़ों में डाल लेते हैं डेरा, महिलाओं में घट जाती है प्रजनन क्षमता

इंसानों के शरीर में पलते 300 तरह के कीड़े

15000 सालों से लोगों का खून चूस रहे

2 साल में 22 लीटर खून पी गए हुकवर्म

2018 में दिल्ली के ही एक अस्पताल में 14 साल के बच्चे को भर्ती किया गया। खून की कमी होने से उसे बार-बार एनीमिया हो रहा था। 2 यूनिट में उसे 22 लीटर खून चढ़ाया गया। वह लगातार 6 महीने तक अस्पताल में भर्ती रहा, लेकिन एनीमिया की वजह पता नहीं चल रही थी। डॉक्टरों ने एंडोस्कोपी के जरिए उसकी आंत में कैमरा भेजा तो पता चला कि वहां हुकवर्म हैं, जो बच्चे का सारा खून चूस रहे हैं। तब दवाएं देकर कीड़ों को मारा गया। आधे इंच तक लंबे ये कीड़े अपने हुक जैसे दांतों को छोटी आंत में गड़ाकर उससे चिपके रहते हैं। खून पीने के साथ आंत को भी डैमेज करते हैं। इनके अंडे भी मल के साथ बाहर आकर हर जगह फैल जाते हैं।

साइंस डेस्क

एक शोध के अनुसार इंसान के शरीर में 300 तरह के परजीवी पाए जाते हैं। इनमें 70 से ज्यादा प्रजातियां तो सिर्फ प्रोटोजोआ प्रजाति के कीड़ों की हैं। दुनिया भर में लगभग 350 करोड़ लोगों के पेट में कीड़े हैं, जिनसे हर साल लाखों व्यक्तियों की जान चली जाती है। अमेरिकी हेल्थ एजेंसी 'सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन' के मुताबिक ये परजीवी कीड़े लोगों को गंभीर बीमारियों का शिकार बना देते हैं। बरसात के मौसम में खास तौर पर इन कीड़ों के इन्फेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। इनमें से कुछ कीड़े आंखों से नहीं दिखते तो कुछ इंसानों के शरीर के भीतर ही 80 फुट तक लंबे हो सकते हैं।

पुराना इतिहास

हजारों साल से ये कीड़े इंसानों का खून चूस रहे हैं। ये दिमाग तक पर हमला करते हैं। हड्डियों के जोड़ों को भी नुकसान पहुंचाते हैं। पांच हजार साल पहले इजिप्ट व चीन और साढ़े 4 हजार साल पहले भारत के चिकित्सकों ने इन पैरासाइट्स से होने वाली बीमारियों के बारे में बताया। 3200 साल पुरानी एक ममी के पेट में भी इन कीड़ों के अंडे पाए गए। पेरू में सवा 4 हजार साल पुराने मानव मल में भी इन कीड़ों के अंडे मिले। बायोमेडिकल जर्नल पीएमसी के मुताबिक 15 हजार साल पहले 'हिमयुग' में इंसान अफ्रीका से बाहर निकलकर दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में पहुंचने लगे। इस सफर के दौरान तरह-तरह के अनगिनत पैरासाइट्स ने मानव शरीर को अपना घर बनाया। अफ्रीका से गुलामों की खरीद-फरोख्त और दास प्रथा ने भी परजीवियों के इन्फेक्शन को बढ़ावा दिया।

पूरे शरीर में रेंगते हैं 'स्ट्रॉन्गाइलोइड्स स्टेरकोरेलिस'

ये भी एक तरह के राउंडवर्म होते हैं, जिससे स्ट्रांगिलोइडियासिस नाम की बीमारी हो सकती है। जिसमें इसके लार्वा स्किन के अंदर ही अंदर पूरे शरीर में रेंगते हैं। जिससे जगह-जगह लाल चकत्ते पड़ जाते हैं। इनके अंडे भी आंतों से निकलकर दूसरों तक पहुंचते हैं और इन्फेक्शन के लक्षण हुकवर्म से मिलते-जुलते हैं। साथ ही सीने में जलन और कब्ज की शिकायत भी हो जाती है।

व्हिपवर्म बाहर आ जाता है आंत का हिस्सा

ये कीड़े 3 से 5 सेंटिमीटर लंबे होते हैं और पेट के अंदर 3 साल तक जिंदा रहते हैं। मादा व्हिपवर्म दो महीने में अंडे देने लायक हो जाती है और एक बार में 20 हजार तक अंडे दे सकती है। जब तक स्थिति गंभीर न हो जाए, इसके इन्फेक्शन के लक्षण नहीं दिखते। व्हिपवर्म की वजह से मलाशय यानी बड़ी आंत का निचला हिस्सा बढ़कर शरीर से बाहर लटक जाता है। जिसे रेक्टल प्रोलैप्स कहते हैं। मल के साथ खून और बलगम जैसा पदार्थ बाहर निकलता है। शौच के दौरान मरीज को तकलीफ होती है।

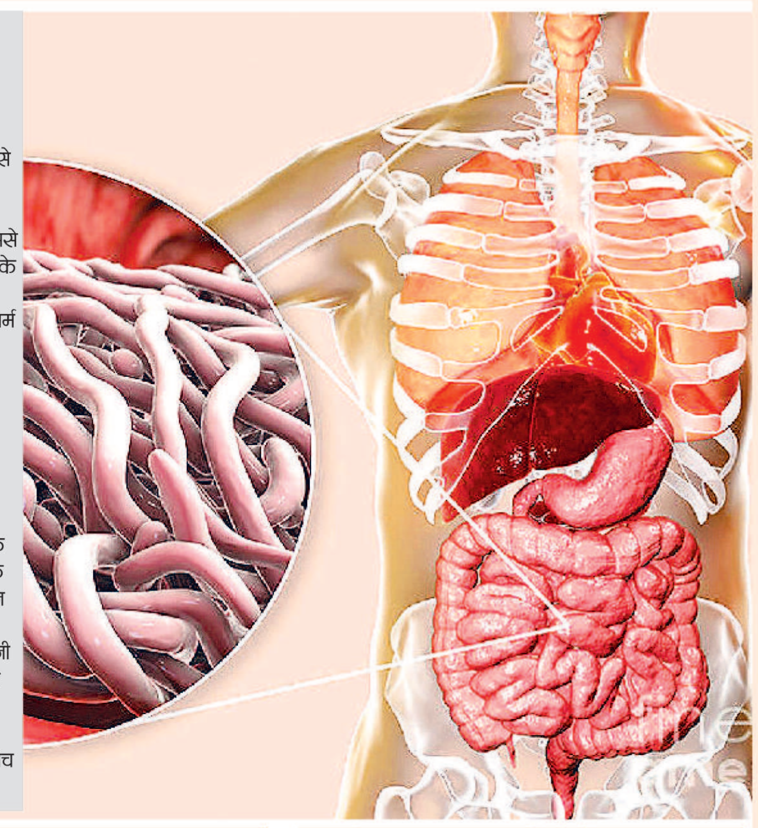

रात में देते हैं अंडे

ये कीड़े करीब आधे इंच लंबे होते हैं और आंतों व रेक्टम यानी मलद्वार पर रहते हैं। रात के वक्त मादा पिनवर्म शरीर से बाहर निकलती हैं और मलद्वार पर एक साथ हजारों अंडे देती है। जहां से ये अंडे शरीर से बाहर कपड़ों, बिस्तर पर भी आ जाते हैं और वहां से दूसरे इंसानों तक पहुंचते हैं। अंडे इतने छोटे होते हैं कि हवा में उड़कर सांस के जरिए भी अंदर जा सकते हैं। एक से दूसरे बच्चे को इसके इन्फेक्शन का खतरा ज्यादा होता है। खुजली, दर्द और जी मिचलाने के सिवाय इनके इन्फेक्शन का कोई दूसरा लक्षण नहीं दिखता। पिनवर्म कुछ लोगों के अपेंडिक्स तक पहुंच जाते हैं, जिससे अपेंडिसाइटिस की गंभीर समस्या हो सकती है, तब सर्जरी के जरिए इन कीड़ों को बाहर निकालना पड़ता है।

फेफड़ों में घुस जाते हैं राउंड वर्म

ये कीड़े पेंसिल जितने मोटे और 13 इंच तक लंबे हो सकते हैं और छोटी आंत में रहते हैं। इनके अंडे मल के साथ बाहर निकलते हैं। संक्रमित खाने-पीने की चीजों के साथ बॉडी में पहुंच जाते हैं। अंडे से बाहर निकलने के बाद ये आंत से फेफड़ों में जाते हैं, एक हफ्ते वहां रहने के बाद फिर गले के जरिए दोबारा आंत में चले आते हैं।

तीन श्रेणी

इन कीड़ों को प्रमुख तौर पर 3 श्रेणियों में बांटा जाता है: प्रोटोजोआ, हेलमिन्थ्स और एक्टोपैरासाइट्स। इनमें से एक्टोपैरासाइट्स शरीर से बाहर रहते हैं, जैसे जूं और पिस्सू, लेकिन प्रोटोजोआ और हेलमिन्थ्स बॉडी के अंदर पहुंचकर अपना डेरा जमा लेते हैं।

ऐसे पहुंचते हैं शरीर में

हेलमिन्थ्स अक्सर मिट्टी में रहते हैं और मौका मिलते ही इंसानों के शरीर में पहुंच जाते हैं। एक्सपर्ट्स दावा करते हैं कि दुनिया के 80 फीसदी लोगों के पेट में ये कीड़े मौजूद हैं, लेकिन अधिकतर लोगों को इस बारे में पता नहीं चलता। हुकवर्म जैसे ये परजीवी सबसे खतरनाक हैं। ये खून और विटामिन-ए, बी12 जैसे पोषक तत्व चूस लेते हैं। आंतों के सॉफ्ट टिश्यूज को खाते हैं। जिससे खासकर बच्चे कुपोषण की चपेट में आ जाते हैं। उनका शारीरिक विकास रुक जाता है। इस दौरान ये कीड़े अपना मल भी मरीज के पेट में छोड़ते हैं। पेट से आंव व ब्लड आने की वजह भी यही है। आंतों के डैमेज होने से खून रिसता है, जबकि आंव जैसा पदार्थ कीड़ों का मल होता है।

दिमाग तक पहुंचते हैं पैरासाइट्स

ब्लड बैरियर को पार कर पेट से ब्रेन तक पहुंचे ये कीड़े सेहत पर घातक असर डालते हैं। जिससे मिर्गी के दौरे आना और बातचीत करने में परेशानी होने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसी स्थिति में कीड़ों को मारने के साथ ही शरीर के अंगों को नुकसान से बचाने और मिर्गी रोकने की दवाएं भी दी जाती हैं। हालत गंभीर होने पर रीढ़ की हड्डी में इंजेक्शन लगाकर कीड़े मारने की दवा देनी पड़ती है, ताकि उसका असर जल्दी हो।

ये समस्याएं बढ़ती हैं

कीड़ों की वजह से बॉडी का इम्यून सिस्टम रिएक्ट करता है, जिससे अर्टिकेरिया की समस्या हो सकती है। इसे शीतपित्त भी कहते हैं। इसमें शरीर में अचानक लाल चकत्ते पड़ जाते हैं, जिसमें खुजली होती है। अक्सर यह समस्या पेट के कीड़ों की वजह से होती है। इस रिएक्शन की वजह से जान जाने का खतरा भी पैदा हो सकता है।

आंत में 30 साल जिंदा रहता है 80 फीट लंबा टेपवर्म

दूसरे कीड़ों की तरह टेपवर्म के अंडे और लार्वा भी खाने-पीने की चीजों के साथ अंदर चले जाते हैं। ये अपना मुंह आंतों में धंसा देते हैं और 30 साल तक वहां जिंदा रह सकते हैं। सफेद फीते की तरह दिखने वाले इन कीड़ों की लंबाई 80 फीट तक हो सकती है। 2021 में थाईलैंड में लंबे समय से पेट दर्द से परेशान एक व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती किया गया। कई जांच के बाद जब कोई वजह पता नहीं चली तो उसका स्टूल टेस्ट किया गया। लैब को मल के सैंपल में टेपवर्म के 28 अंडे मिले। उस व्यक्ति को रात में दवा दी गई और अगले दिन उसके पेट से 59 फीट लंबा टेपवर्म निकला। इसके अंडे और लार्वा भी आंतों से शरीर के दूसरे हिस्सों में भी पहुंच जाते हैं। जिससे कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं।

लिवर-किडनी फेल होने का खतरा

इन कीड़ों की वजह से शिस्टोसोमियासिस नाम की बीमारी हो जाती है, जिससे लिवर और किडनी तक फेल हो सकते हैं। संक्रमित व्यक्ति बांझपन, ब्लैडर कैंसर की चपेट में आ सकता है। इन्फेक्शन के कुछ हफ्तों या महीनों के बाद इसके लक्षण दिखते हैं। मरीज के मल और यूरिन में खून आता है। उसे पेट दर्द, डायरिया, एनीमिया जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। यह परजीवी साफ पानी में रहने वाले घोंघों में पाया जाता है। उस पानी के संपर्क में आने वाले व्यक्तियों के पेट, खून और टिश्यूज तक इसके अंडे और लार्वा पहुंच जाते हैं।

ब्लड टेस्ट और एंडोस्कोपी से मिलता इन्फेक्शन का सबूत

ब्लड टेस्ट, स्टूल टेस्ट, कोलोनोस्कोपी, एंडोस्कोपी, एक्सरे, अल्ट्रासाउंड, सीटी स्कैन, एमआरआई जैसी जांचों की मदद से शरीर में इन कीड़ों की मौजूदगी का पता लगा सकते हैं। मरीज की उम्र और वजन के मुताबिक मरीज को एल्बेंडाजोल जैसी एंटी-पैरासिटिक दवाएं दी जाती हैं। पहले से कोई बीमारी होने या फिर लिवर से जुड़ा कोई रोग होने पर एल्बेंडाजोल खाने से बचना चाहिए।

बिना डॉक्टर को दिखाए दवा खाना हो सकता है घातक

ये कीड़े बहुत तेजी से शरीर के अंदर अपनी संख्या बढ़ाते हैं, लेकिन एक बार में इतनी दवा नहीं दे सकते, जिससे एक साथ सारे कीड़े मर जाएं। इसलिए 3 से 6 महीने के अंतर पर दवा खानी चाहिए। अगर समस्या गंभीर हो, तब इलाज के दौरान 15-15 दिन में दवा देने की जरूरत भी पड़ती है। शरीफा, सरसों का साग और झारखंड में मिलने वाला करमी साग पेट के कीड़ों को मार देता है, लेकिन बरसात के दौरान साग नहीं खाना चाहिए।

देश में पहली बार डिप्रेशन की हुई सर्जरी

भारत ने साइकोसर्जरी के फील्ड में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। मुंबई के जसलोक हॉस्पिटल में एक महिला की डिप्रेशन की सर्जरी हुई। ये महिला 26 साल से डिप्रेशन की शिकार थी। देश में पहली बार हुआ है कि जब किसी की डिप्रेशन की सर्जरी की गई हो। ये ऑस्ट्रेलिया महिला अपनी सर्जरी कराने के लिए भारत आई थी। भारत में मेंटल हेल्थकेयर लागू होने के बाद ये पहला मामला है, जब भारत में किसी मनोरोगी की इस तरीके की सर्जरी हुई हो।

खास तरह की सर्जरी

डीप ब्रेन स्टिमुलेशन एक खास तरह की सर्जरी होती है। डीबीएस के दौरान मस्तिष्क के कुछ हिस्सों में इलेक्ट्रोड लगा दिए जाते हैं। इस सर्जरी की मदद से दिमाग में चल रही उन असमान्य विद्युत गतिविधियों को रोका जाता है, जो न्यूरोलॉजिकल विकारों का कारण बनती हैं. टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक न्यूरोसर्जन परेश दोशी ने बताया कि डीबीएस सर्जरी के दौरान, मरीज जाग रहा होता है ताकि सर्जन इलेक्ट्रोड लगाते समय प्रतिक्रियाओं को मैप कर सकें। इस सर्जरी के दौरान एक वायर की मदद ली जाती है। इसकी मदद से इलेक्ट्रोड से पल्स जनरेटर को जोड़ा जाता है।

इन बीमारियों में होती है

डीबीएस सर्जरी की बात करें पार्किंसंस, ऑब्सेसिव कम्पलसिव डिसऑर्डर और डिप्रेशन के लिए इसका सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाता है। डिप्रेशन की बात करें तो इस सर्जरी के किए जाने के बाद समस्या जड़ से समाप्त नहीं होती है, लेकिन इससे एक बड़ा फायदा होता है और इससे दवाओं पर निर्भरता बहुत हद तक कम हो जाती है। भारत में साल 2017 में मेंटल हेल्थकेयर एक्ट बनाया गया था। उसके बाद ये पहला मामला है जब ये सर्जरी देश में हुई है।

⏭⏭ मुंबई के जसलोक अस्पताल ने रचा इतिहास
⏭⏭ 26 साल से डिप्रेशन की शिकार थी महिला

अब पानी में भी होगा इंसान का अंतिम संस्कार

साइंस डेस्क

यह जानकर आप अचंभित हो सकते है कि अब पानी में भी इंसान का अंतिम संस्कार किया जा सके। ब्रिटेन में पानी के अंदर अंतिम संस्कार करने की तैयारी चल रही है। यह कारनामा ब्रिटेन की सबसे बड़ी फ्यूनरल कंपनी को-ऑप फ्यूनरलकेयर करने जा रही है। कंपनी ने पुष्टि की है कि वह इस साल के अंत तक ये सेवा शुरू कर देगी। इस तरह का अंतिम संस्कार लोगों को शव को दफनाने की जगह पानी में अंतिम संस्कार का विकल्प देता है। दरअसल जब शव का अंतिम संस्कार जलाकर किया जाता है तो हम बहुत सारे ईंधन की खपत होती है और ये काफी मात्रा में ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन करते हैं।

अभी यह तरीके

अभी पारंपरिक तौर पर दाह संस्कार के अलावा दफनाकर शव का अंतिम संस्कार किया जाता है।

ऐसे होगा वाटर क्रिमेशन

को-ऑप फ्यूनरलकेयर वाटर क्रिमेशन के जरिए लोगों को पर्यावरण के अनुकुल दाह संस्कार का विकल्प दे रहा है। एक्वामेशन प्रक्रिया के दौरान शव को स्टेनलेस स्टील के बर्तन में रखा जाता है। स्टील के बर्तन में रखने से पहले क्षार मिलाया जाता है। ये क्षार शव के वजन, लिंग के आधार पर किया जाता है। इसके बाद 95 फीसदी और 5 फीसदी क्षार के घोल को 200-300°F तक गर्म किया जाता है। ये प्रक्रिया पूरी हो जाती है तो वह शरीर को छोटी-छोटी हड्डियों में तोड़ दिया जाता है। इसके बाद हड्डियां नरम रह जाती हैं और इन्हें सुखाकर सफेद पाउडर बना दिया जाता है। इसे कलश में डालकर रिश्तेदारों को लौटाया जा सकता है।

पर्यावरण के लिए अनुकुल?

अमेरिकी पर्यावरण संरक्षण एजेंसी अटलांटिक के अनुसार, ज्वाला दाह संस्कार के पर्यावरणीय प्रभाव का लगभग दसवां हिस्सा एक्वामेशनम(वाटर क्रिमेशन का होता है)। दाह संस्कार के लिए काफी ईंधन की जरूरत होती है। दाह संस्कार पर्यावरण के लिए हानिकारक है क्योंकि इससे बड़ी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य जहरीली गैसें निकलती हैं। वहीं दफनाने से भूजल दूषित होने का खतरा बना रहता है। इसलिए यह पर्यावरण के अनुकूल भी होगा।

100 रुपये के नोट पर कंचनजंघा पर्वत की फोटो

यह पर्वत नेपाल देश की सीमा पर स्थित

साइंस डेस्क। मौजूदा समय में भारत में चलने वाली मुद्रा को रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया के द्वारा जारी किया जाता है। अब वह धातु के सिक्के हों या फिर कागज के नोट। भारतीय मुद्रा में कुछ न कुछ प्रतीक चिन्ह होता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि 100 रुपये के नोट पर जो पहाड़ दिखाई देता है वह किस पहाड़ का फोटो है और वह कहां पर स्थित है। बता दें कि 100 रुपये के नोट पर विश्व के तीसरे सबसे ऊंचे पर्वत शिखर कंचनजंघा नाम के पर्वत की फोटो है। यह 8,586 मीटर ऊंचा है और हिमालय पर्वत श्रृंखला का ही एक हिस्सा है। यह फोटो पेलिंग, सिक्किम से ली गई है। कंचनजंघा पर्वत को नेपाली भाषा में कंचनजंघा और लिम्बू भाषा में सेवालुंगमा कहा जाता है। यह पर्वत नेपाल देश की सीमा पर स्थित है।

नोट पर 1969 में छपी थी गांधीजी की तस्वीर

भारत के सभी नोटों पर गांधीजी की तस्वीर छपी रहती है। बता दें कि पहली बार नोटों पर महात्मा गांधी की तस्वीर 1969 में छापी गई थी। रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया ने ही 1969 में नोटों पर गांधी की तस्वीर को छापा था। यह फोटो जन्मशती स्मारक डिजायन की थी और इस फोटो में पीछे की तरफ सेवाग्राम आश्रम भी बना हुआ था। सबसे पहले नोट पर अशोक स्तंभ की तस्वीर हुआ करती थी।

मस्तिष्क में फंगल संक्रमण से जूझ रहा अफ्रीका

फंगल संक्रमण के उद्भव और पुनः उभरने पर समीक्षा प्रकाशित

साइंस डेस्क

2023 अमेरिका की पोस्ट-एपोकैलिक ड्रामा टेलीविजन श्रृंखला द लास्ट ऑफ अस में, मनुष्य विलुप्त होने के कगार पर है क्योंकि मस्तिष्क का एक फंगल संक्रमण अधिकांश प्रजातियों को ज़ोंबी बना देता है। यह दूर की कौड़ी लग सकती है लेकिन कवक मानव मस्तिष्क को संक्रमित कर सकता है। फफूंद या कवक हमारे पर्यावरण में हर जगह मौजूद हैं। हवा में, मिट्टी में, सड़ते पौधों की सामग्री में, हमारी त्वचा पर।

दवाओं की अनुपलब्धता

घातक फंगल संक्रमण का उद्भव मुख्य रूप से एचआईवी संक्रमण के उच्च बोझ, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच की कमी और प्रभावी एंटीफंगल दवाओं की अनुपलब्धता से प्रेरित है। फंगल संक्रमण क्या हैं? मानव जाति के इतिहास के अधिकांश भाग में, फंगल संक्रमण कभी भी मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा नहीं था।

यह मुख्य कारण

अधिकांश कवक 37 डिग्री सेल्सियस के गर्म मानव शरीर के तापमान में जीवित नहीं रह सकते हैं। हालाँकि, जलवायु परिवर्तन और अन्य पर्यावरणीय दबावों के कारण कवक की ऐसी प्रजातियाँ सामने आई हैं जो मानव शरीर के तापमान पर जीवित रहने में सक्षम हैं। फिर भी, हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली फंगल संक्रमण से लड़ने में काफी सक्षम है। उदाहरण के लिए, हमारा शरीर स्थानीयकृत अम्लीय वातावरण बना सकता है, सूक्ष्म पोषक तत्वों की उपलब्धता सीमित कर सकता है और रोगाणुरोधी सामग्री उत्पन्न कर सकता है। ®हालाँकि, जब प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर हो जाती है, तो कवक शरीर की सुरक्षा से बचने और पता लगाने से बचने में सक्षम होते हैं। वे बायोएक्टिव एजेंट उत्पन्न कर सकते हैं जो उन्हें मेजबान प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया से बचने या समायोजित करने में मदद करते हैं। कुछ लोग प्रतिकूल, कम पोषक तत्वों और कम ऑक्सीजन वाले वातावरण में जीवित रहने के लिए अनुकूलन करते हैं। ®प्रतिरक्षाविहीन लोगों में गंभीर या जीवन-घातक फंगल रोग विकसित होने का खतरा होता है। एचआईवी के वैश्विक बोझ का 67% हिस्सा अफ्रीका पर है, और अवसरवादी फंगल रोग बढ़ रहे हैं।

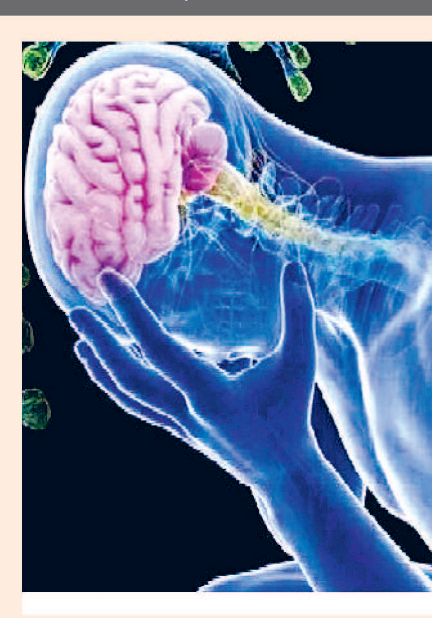

कवक शरीर के विभिन्न भागों पर कर सकते हैं आक्रमण

सूक्ष्म, रोग पैदा करने वाले कवक शरीर के विभिन्न भागों पर आक्रमण कर सकते हैं, जिससे कई प्रकार के लक्षण और स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हो सकती हैं। वास्तव में, फंगल संक्रमण हर साल लगभग 15 लाख मौतों का कारण बनता है। ®मैं एक न्यूरोबायोलॉजिस्ट हूं जो 10 वर्षों से मस्तिष्क के फंगल संक्रमण का अध्ययन कर रहा हूं। मैं उस टीम का हिस्सा था जिसने हाल ही में अफ्रीका, विशेषकर उप-सहारा अफ्रीका में फंगल संक्रमण के उद्भव और पुनः उभरने पर चर्चा करते हुए एक समीक्षा प्रकाशित की थी। हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि अफ्रीका फंगल संक्रमण की एक खामोश, लेकिन महंगी महामारी से पीड़ित है।

फीफा रैंकिंग 99वें स्थान पर भारतीय फुटबॉल टीम

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम ने गुरुवार को 2018 के बाद पहली बार फीफा रैंकिंग में शीर्ष 99 में प्रवेश किया। टीम सैफ चैंपियनशिप खिताब की बदौलत एक पायदान के फायदे से 99वें स्थान पर पहुंच गई।

भारत ने इस महीने के शुरु में बेंगलुरु में हुई सैफ चैंपियनशिप में लेबनान और कुवैत पर क्रमशः सेमीफाइनल और फाइनल में पेनल्टी शूटआउट से जीत दर्ज की। लेबनान को भी दो पायदान का फायदा हुआ जिससे वह भारत से बिलकुल नीचे 100वें स्थान पर मौजूद है जबकि कुवैत चार पायदान की छलांग से गुरुवार को जारी ताजा फीफा रैंकिंग में 137वें स्थान पर पहुंच गया।

भारत के 1208.69 अंक

भारत के अब 1208.69 अंक हो गए हैं। भारत की सर्वश्रेष्ठ फीफा रैंकिंग 94 रही है जो टीम ने 1996 में हासिल की थी। टीम 1993 में भी 99वें स्थान पर पहुंची थी जबकि 2017 और 2018 में 96वां स्थान हासिल करने में सफल रही थी। पिछले महीने टीम 100वें स्थान पर थी।

अर्जेंटीना की बादशाहत कायम

विश्व चैंपियन अर्जेंटीना की शीर्ष पर बादशाहत कायम है जिसके बाद फ्रांस, ब्राजील, इंग्लैंड और बेल्जियम की टीम मौजूद हैं। एशिया में जापान 20वें स्थान से शीर्ष पर है जबकि ईरान (22वीं रैंकिंग), आस्ट्रेलिया (27), कोरिया (28) और सऊदी अरब (54) शीर्ष पांच में शामिल अन्य टीम हैं।

वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड ने दर्ज की पहली जीत

ऑकलैंड। हन्ना विलकिन्सन के दूसरे हाफ में किए गए गोल की बदौलत न्यूजीलैंड फुटबॉल टीम ने यहां गुरुवार को महिला विश्व कप के पहले मैच में नार्वे को 1-0 से शिकस्त दी। महिला विश्व कप में यह न्यूजीलैंड की पहली जीत है। ईडन पार्क स्टेडियम में रिकॉर्ड 42,137 दर्शक मौजूद थे जो न्यूजीलैंड में फुटबॉल मैच के लिए रिकॉर्ड संख्या है। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस हिपकिंस भी मैच देखने के लिए स्टेडियम में उपस्थित थे। न्यूजीलैंड की महिला टीम ने इससे पहले आयोजित हुए पांच विश्व कप में हिस्सा लिया था लेकिन कोई मैच नहीं जीता था। दोनों टीमें विश्व कप में केवल एक बार ही आमने सामने हुई हैं जिसमें नार्वे ने 1991 में सह मेजबान टीम को 4-0 से पराजित किया था। मैच से कुछ घंटों पहले गुरुवार को सुबह एक व्यक्ति ने यहां एक ऊंची निर्माणाधीन इमारत में गोलीबारी कर दी, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई।

आस्ट्रेलिया ने आयरलैंड को हराया

सिडनी। आस्ट्रेलिया ने अपनी स्टार फुटबॉलर सैम केर की अनुपस्थिति के बावजूद गुरुवार को यहां आयरलैंड को 1-0 से हराकर महिला विश्व कप में जीत से अपना अभियान शुरु किया। स्टेफ कैटले ने 52वें मिनट में पेनल्टी पर किए गए गोल से अपनी टीम को जीत दिलाई। स्टेडियम में मैच देखने 75,784 दर्शक पहुंचे हुए थे जबकि टूर्नामेंट की सह मेजबान आस्ट्रेलिया को अपनी शीर्ष स्कोरर केर की अनुपस्थिति से करारा झटका लगा था जो चोटिल होने के कारण दो मैच नहीं खेल पाएंगी।

एक नज़र

सहज बदलाव घरेलू प्रणाली की देन

पोर्ट ऑफ स्पेन। भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने भारतीय क्रिकेट टीम में सहज बदलाव का श्रेय मजबूत घरेलू उपाय और टीम के अच्छे माहौल को दिया। द्रविड़ मुख्य कोच के रूप में अब भारतीय टीम में बदलाव के दौर को देख रहे हैं। वह एक खिलाड़ी के रूप में भी ऐसा दौर देख चुके हैं जब उनके साथ सचिन तेंदुलकर और सौरव गांगुली जैसे खिलाड़ियों ने महेंद्र सिंह धोनी को जिम्मा सौंपा था। द्रविड़ के संन्यास लेने के बाद चेतेश्वर पुजारा ने तीसरे नंबर के बल्लेबाज के रूप में अपनी भूमिका बखूबी निभाई थी और अब शुभमन गिल यह भूमिका निभा रहे हैं।

नार्थईस्ट यूनाईटेड ने जाबाको को जोड़ा

गुवाहाटी। नार्थईस्ट यूनाईटेड एफसी ने आगामी सत्र के लिए गुरुवार को स्पेनिश सेंटरबैक माइकल जाबाको से करार करने की घोषणा की जो एटलेटिको मैड्रिड युवा अकादमी के लिए भी खेल चुके हैं। स्पेनिश फुटबॉल में दूसरे और तीसरे टीयर में खेल चुके 34 वर्षीय जाबाको जब 16 वर्ष के थे तब एटलेटिको मैड्रिड युवा अकादमी से जुड़े थे। फिर वह क्लब की सी टीम से एटलेटिको मैड्रिड बी तक पहुंचे। जाबाको पहली बार स्पेन से बाहर किसी क्लब से जुड़ रहे हैं।

संधू ने फाइनल की ओर बढ़ाए कदम

नई दिल्ली। भारत के राजकंवर सिंह संधू गुरुवार को यहां आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप की पुरुष 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा के पहले प्रीसिशन दौर में 289 का स्कोर बनाकर फाइनल में पहुंचने के लिए अच्छी स्थिति में हैं। संधू ने हंगरी के निशानेबाज अकोस कैरोली नागी के बराबर स्कोर बनाया जो पांचवें स्थान पर थे जबकि शीर्ष चार स्थान पर चीन के निशानेबाज चल रहे थे। झांग झिहाओ 294 के स्कोर से शीर्ष पर थे। शीर्ष छह निशानेबाज शुक्रवार को होने वाले फाइनल्स में जगह बनाएंगे।

मनिका ने स्मैशर्स को पहली जीत दिलाई

पुणे। भारत की शीर्ष रैंकिंग वाली खिलाड़ी मनिका बत्रा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अल्टीमेट टेबल टेनिस लीग में बेंगलुरू स्मैशर्स को पहली जीत दिलाई। बेंगलुरू स्मैशर्स अब चौथे स्थान पर है जिसने गत चैम्पियन चेन्नई लायंस को 8.7 से हराया। पिछली बार मौजूदा राष्ट्रीय चैम्पियन श्रीजा अकुला से हारी मनिका ने दूसरे मैच में 11.6, 11.8 से जीत दर्ज की। इससे पहले अचंत शरत कमल ने पुरूष एकल में किरिल जी को हराया। मनिका और किरिल ने तीसरे मैच में शरत और यांगजी लियू को मात दी।

क्रिकेट : भारत और वेस्टइंडीज खेल रहे 100वां टेस्ट मैच

कोहली ने खेला 500वां अंतरराष्ट्रीय मैच, सचिन के नाम 664 मुकाबले

एजेंसी ▶▶| पोर्ट ऑफ स्पेन

भारत और वेस्टइंडीज के बीच त्रिनिदाद के क्वींस पार्क ओवल में दूसरा टेस्ट मैच खेला जा रहा है। विराट कोहली ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने करते हुए अपने कॅरियर का 500वां मैच खेल रहे हैं। दुनियाभर में 9 खिलाड़ी अब तक 500 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं। लिस्ट में सबसे पहला नाम क्रिकेट के गॉड सचिन तेंदुलकर का है, जिन्होंने 664 मैच खेले हैं। दूसरे नंबर पर 652 मैच के साथ माहेला जयवर्धने (652 मैच) हैं। तीसरे नंबर पर कुमार संगकारा (594 मैच) है। चौथे सनथ जयसूर्या 586 मैच, पांचवें रिकी रोंटिंग 560 मैच, छठे एमएस धोनी 538 मैच, सातवें शाहिद अफरीदी 524 मैच, आठवें जॉक कैलिस 519 मैच और नौवें नंबर राहुल द्रविड़ 509 मैच हैं।

भारत के मैच

खिलाफ	मैच
इंग्लैंड	131
ऑस्ट्रेलिया	107
वेस्टइंडीज	100*
न्यूजीलैंड	62
पाकिस्तान	59

भारत-वेस्टइंडीज के बीच टेस्ट में हेड टू हेड

भारत और वेस्टइंडीज ने एक दूसरे के खिलाफ अब तक सिर्फ 99 टेस्ट ही खेले हैं। इसमें भारत ने 23, जबकि वेस्टइंडीज ने 30 मैच जीते हैं। 46 टेस्ट ड्रॉ पर खत्म हुए हैं। वेस्टइंडीज ने 30 में से 16 मुकाबले घर पर और 14 भारत में जीते हैं। जबकि टीम इंडिया ने अपने घर में 12 और वेस्टइंडीज में 10 टेस्ट जीते हैं।

कोहली का कॅरियर

टेस्ट मैच	111*
वनडे मैच	274
टी20 मैच	115

रोहित-जायसवाल के अर्धशतकों से भारत की अच्छी शुरूआत

पोर्ट आफ स्पेन। सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल ने अपना शानदार फॉर्म बरकरार रखते हुए वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन लंच तक भारत को बिना किसी नुकसान के 121 रन तक पहुंचाया। जायसवाल 56 गेंद में 52 और कप्तान रोहित 102 गेंद में 63 रन बनाकर खेल रहे हैं। दोनों ने पहले टेस्ट में शतक जमाया था और एक बार फिर बड़ी साझेदारी की ओर बढ रहे हैं। भारत ने 26 ओवरों में 4.65 की औसत से रन बनाये हैं। जायसवाल को पहले सत्र के आखिरी ओवर में जीवनदान मिला जब जैसन होल्डर की गेंद पर एलिक अथानाजे ने उनका कैच छोड़ा। यह दोनों टीमों के बीच सौवां टेस्ट है। इस मौके पर दोनों कप्तानों को महान बल्लेबाज ब्रायन लारा ने विशेष स्मृति चिन्ह प्रदान किये। डोमिनिका की टर्न लेती पिच भारतीय गेंदबाजों को रास आई थी और लग रहा था कि यहां जीवंत पिच मिलेगी लेकिन क्यूरेटर ने पिच पर कोई घास नहीं छोड़ी। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज टॉस जीतकर गेंदबाजी के कप्तान क्रेग ब्रेथवेट के फैसले को सही साबित नहीं कर सके। उन्होंने भारतीय गेंदबाजों को शॉर्ट गेंदें फेंकी लेकिन भारतीय सलामी बल्लेबाजों ने उनका सहजता से सामना किया।

पाकिस्तान ने श्रीलंका को चार विकेट से दी शिकस्त

एजेंसी ▶▶| गॉल

पाकिस्तान ने कुछ विषम पलों से गुजरने के बाद श्रीलंका को गुरुवार को यहां पहले टेस्ट क्रिकेट मैच में चार विकेट से हराकर दो मैचों की श्रृंखला में शुरुआती बढ़त हासिल की। पाकिस्तान ने नियमित अंतराल में विकेट गंवाए लेकिन सलामी बल्लेबाज इमाम उल हक (नाबाद 50) ने एक छोर संभाले रखा और टेस्ट क्रिकेट में अपना आठवां अर्धशतक पूरा किया। इससे पाकिस्तान ने पांचवें दिन लंच से पहले ही जीत हासिल कर ली।

श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 312 रन बनाए थे जिसके जवाब में पाकिस्तान ने अपनी पहली पारी में 461 रन बनाए। श्रीलंका ने अपनी दूसरी पारी में 279 रन बनाकर पाकिस्तान के सामने जीत के लिए 131 रन का लक्ष्य रखा था।

पाकिस्तान की शुरुआत हालांकि अच्छी नहीं रही और वह चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक तीन विकेट पर 48 रन बनाकर संघर्ष कर रहा था। पाकिस्तान को पांचवें और अंतिम दिन जीत के लिए 83 रन की जरूरत थी। पाकिस्तान ने छह विकेट पर 133 रन बनाए। शकील को पहली पारी में दोहरा शतक जड़ने के लिए मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

हार्दिक और गिल को मिल सकता है आराम

***नई दिल्ली।** भारत के टी20 कप्तान हार्दिक पंड्या और तीनों प्रारूपों में खेलने वाले शुभमन गिल को आगामी एशिया कप और वनडे विश्व कप को देखते हुए आयरलैंड के खिलाफ 18 अगस्त से होने वाली तीन मैचों की टी20 श्रृंखला से आराम दिया जा सकता है। बीसीसीआई सूत्रों ने यह जानकारी दी। पंड्या भारत की वनडे टीम का अहम हिस्सा हैं और हरफनमौला होने के नाते टीम को संतुलन देते हैं। टीम प्रबंधन और राष्ट्रीय चयन समिति उन्हें लेकर एहतियात बरतना चाहती है।*

जर्मनी से 0-2 से हारा भारत दौरे की लगातार तीसरी हार

एजेंसी ▶▶| रसेलशेम

भारतीय महिला हॉकी टीम का निराशाजनक प्रदर्शन जारी रहा और उसे जर्मनी से 0-2 से हार का सामना करना पड़ा जो उसकी वर्तमान दौरे में लगातार तीसरी पराजय है।

भारतीय टीम के जर्मनी दौरे के तीसरे और अंतिम मैच में मेजबान टीम की तरफ सेनाइक लोरेंज (52वें मिनट) और चार्लोट स्टेपनहॉर्स्ट (54वें मिनट) ने गोल किए। भारतीय टीम अपने पिछले दो मुकाबलों में चीन (2-3) और जर्मनी (1-4) से हार गई थी। भारतीय टीम का जर्मनी का यह दौरा आगामी एशियाई खेलों की तैयारियों के सिलसिले में था। दौरे के तीसरे और अंतिम मैच में भारतीय टीम जर्मनी को तीसरे क्वार्टर तक गोल रहित बराबरी पर रोकने में सफल रही थी। चौथे क्वार्टर में हालांकि कड़ा मुकाबला देखने को मिला।

प्रणय और प्रियांशु दूसरे दौर में बाहर

येओसु। भारतीय बैडमिंटन स्टार एचएस प्रणय गुरुवार को यहां अपना दूसरे दौर का मैच हांगकांग के ली चेउक यियू से हारकर कोरिया ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट से बाहर हो गए। प्रणय को 15-21, 21-19, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा। पुरुष एकल के एक अन्य मैच में प्रियांशु राजावत ने जापान के कोडाई नाराओका को कड़ी टक्कर दी लेकिन आखिर में दूसरे दौर के मैच में 14-21 21-18 17-21 से हार गए। त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय महिला युगल जोड़ी दक्षिण कोरिया की ना हा बेक और ही सो ली की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी को कोई चुनौती नहीं दे पाई और 33 मिनट तक चले दूसरे दौर के मैच में 11-21, 4-21 से हार गईं। मिश्रित युगल में रोहन कपूर और सिक्की रेड्डी की भारतीय जोड़ी भी चीन की झे यान फेंग और पिंग डोंग हुआंग की चौथी वरीयता प्राप्त जोड़ी से 35 मिनट में 15-21, 12-21 से हारकर बाहर हो गई।

एशेज : आस्ट्रेलिया 317 रन पर सिमटा

एजेंसी ▶▶| मैनचेस्टर

आस्ट्रेलियाई टीम गुरुवार को यहां चौथे एशेज टेस्ट के दूसरे दिन सुबह पहली पारी में 317 रन पर सिमट गई। इंग्लैंड ने समाचार लिखे जाने तक दो विकेट गंवाकर 191 रन बना लिए थे।

इंग्लैंड ने तीसरे ही ओवर में बेन डकेट (01) का विकेट गंवा दिया जो तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क की स्टंप के बाहर जाती गेंद पर बल्ला छुआने से विकेटकीपर के हाथों कैच आउट हुए। आस्ट्रेलिया ने सुबह आठ विकेट पर 299 रन से खेलना शुरू किया और टीम 7.2 ओवर में 18 रन जोड़कर 317 रन पर सिमट गई। कमिंस दिन की पहली गेंद पर आउट हुए जिन्हें जेम्स एंडरसन ने कवर प्वाइंट पर स्टुअट ब्राड के हाथों कैच आउट कराया। यह एंडरसन का पारी का पहला विकेट था जिससे इंग्लैंड के सभी पांच गेंदबाजों ने कम से एक एक विकेट झटका। क्रिस वोक्स (62 रन देकर पांच विकेट) ने हेजलवुड को एक रन पर आउट करने का मौका गंवा दिया लेकिन उन्हें चार रन के निजी स्कोर पर आउट कर आस्ट्रेलिया की पहली पारी 317 रन पर खत्म की। स्टार्क 36 रन बनाकर नाबाद रहे।

दिग्गज खिलाड़ी और पूर्व ओलंपियन असलम शेर खां ने जताई चिंता

एस्ट्रोटर्फ के कारण बेमौत मर रही भारतीय हॉकी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अपने जमाने के दिग्गज खिलाड़ी और पूर्व ओलंपियन असलम शेर खां ने पिछले कुछ दशकों में 'भारतीय हॉकी के पतन' पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने इसके लिए एस्ट्रोटर्फ (कृत्रिम घास के मैदान) और शीर्ष स्तर पर कुप्रबंधन को जिम्मेदार ठहराया तथा इस खेल में खोई प्रतिष्ठा हासिल करने के लिए फिर से प्राकृतिक घास के मैदानों में खेलने की अपील की। असलम ने इस संबंध में भारत को अपना वर्चस्व का इस्तेमाल करके अन्य देशों को प्राकृतिक घास के मैदान पर खेलने के लिए मनाने को कहा।

असलम ने कहा, 'भारत आज विश्व स्तर पर सम्मानित शक्ति है और एक बार हम दुनिया को प्राकृतिक घास की सतह पर हॉकी खेलने की योग्यता दिखा देंगे तो मुझे पूरा विश्वास है कि हम दुनिया को इसके फायदों के बारे में जानने के लिए मना सकते हैं।' पूर्व सांसद और विश्व कप 1975 में भारतीय जीत के एक नायक रहे असलम ने देश के हॉकी प्रेमियों को लिखे खुले पत्र में कहा, 'भारतीय हॉकी को पुनर्जीवित करने का अब एकमात्र समाधान प्राकृतिक घास के मैदानों पर फिर से खेलना शुरू करना है। सभी टूर्नामेंट और प्रीमियर लीग प्राकृतिक घास की सतह पर खेले जाने चाहिए। यह दर्शकों को फिर से आकर्षित करेगा।' असलम ने भारत को ब्राजील और अर्जेंटीना की तरह रवैया अपनाने को कहा जिन्होंने 1960 के दशक में फुटबॉल को कृत्रिम घास के मैदानों में खेलने के फीफा के प्रयासों को नाकाम कर दिया था।

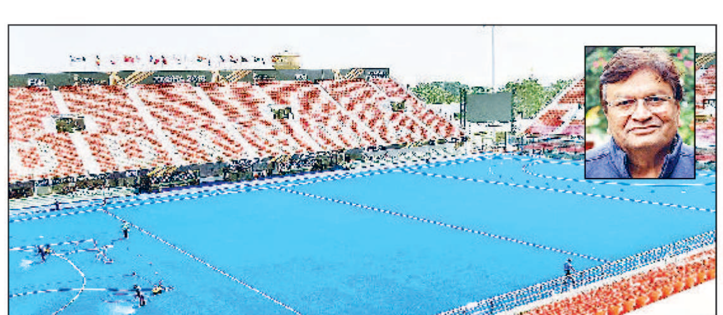

भारत में हॉकी की मौत

भारत ने ओलंपिक खेलों में हॉकी में आठ स्वर्ण पदक जीते हैं लेकिन इनमें से आखिरी स्वर्ण पदक उसने 1980 में मास्को ओलंपिक में जीता था। भारतीय टीम ने हालांकि 2021 में टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतकर पिछले 41 वर्षों से चले आ रहे पदक के सूखे को खत्म किया था। भारत ने इसके बाद इस साल के शुरू में ओडिशा में खेले गए विश्वकप में निराशाजनक प्रदर्शन किया जिसे असलम ने 'भारत में हॉकी की मौत' करार दिया। उन्होंने कहा, 'बेहद दुख के साथ मुझे भारत में हॉकी की मौत के घोषणा करनी पड़ रही है। ऐसा इस साल जनवरी में ओडिशा के राउरकेला में खेले गए विश्वकप में हुआ जिसमें ओडिशा सरकार के 1000 करोड़ रुपए खर्च करने के बावजूद भारत नौवें स्थान पर रहा था।'

एमर्जिंग कप : अंतिम-4 मैच में भारत ए प्रबल दोवदार

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

लीग चरण में दमदार प्रदर्शन करने के बाद भारत ए शुक्रवार को यहां बांग्लादेश ए के खिलाफ होने वाले सेमीफाइनल में जीत से एमर्जिंग एशिया कप के फाइनल में पहुंचने का प्रबल दावेदार होगा। भारत को अभी तक टूर्नामेंट में हार का सामना नही करना पड़ा है और सभी जीत में सबसे अहम पहलू यही रहा है कि प्रत्येक मुकाबले में जरूरत पड़ने पर कई मैच विजेता देखने को मिले। अब प्रतिस्पर्धी टीम बांग्लादेश के खिलाफ भारत की निगाहें सभी विभागों में शानदार प्रदर्शन जारी रखने पर लगी होगी। टूर्नामेंट के शुरुआती मैच में श्रीलंका के खिलाफ मिली हार के बाद बांग्लादेश ने अच्छी वापसी करते हुए ओमान और अफगानिस्तान को हराकर अंतिम चार चरण में जगह बनाई। श्रीलंका ए बनाम पाकिस्तान ए के बीच सेमीफाइनल भारतीय समयानुसार सुबह 10 बजे शुरु होगा जबकि भारत एक की भिड़ंत बांग्लादेश ए से दोपहर दो बजे होगी।

सूरत में बनकर 'तैयार' है दुनिया की सबसे बड़ी ऑफिस बिल्डिंग

पेंटागन की इमारत को भी पीछे छोड़ा

एजेंसी ⏭ सूरत

इस बिल्डिंग को लेकर पीएम मोदी ने गुजरात के सूरत में सूरत डायमंड बोर्स के विश्व के सबसे बड़े कार्यालय भवन की सराहना की है। उन्होंने कहा कि सूरत डायमंड बोर्स सूरत के हीरा उद्योग की गतिशीलता और विकास को प्रदर्शित करता है। यह भारत की उद्यमशीलता की भावना का भी प्रमाण है। यह व्यापार, नवाचार और सहयोग के केंद्र के रूप में कार्य करेगा, जिससे हमारी अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के अवसरों का सृजन होगा।" भारत ने दुनिया को एक बार फिर हैरान कर दिया है। गुजरात के सूरत में दुनिया की सबसे बड़ी ऑफिस बिल्डिंग बन गई है। अभी तक यह खिताब अब तक अमेरिका के पेंटागन के पास था। दरअसल, ये बिल्डिंग हीरे के व्यापार का केंद्र गुजरात के सूरत में बनी है। इस बिल्डिंग को भी हीरे के व्यापार केंद्र के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा। इस बिल्डिंग को पूरा बनने में चार साल का वक्त लग गया है। इसमें एक साथ 65 हजार लोग बैठ सकते हैं। इस बिल्डिंग को लेकर पीएम मोदी ने गुजरात के सूरत में सूरत डायमंड बोर्स के विश्व के सबसे बड़े कार्यालय भवन की सराहना की है। उन्होंने कहा कि सूरत डायमंड बोर्स सूरत के हीरा उद्योग की गतिशीलता और विकास को प्रदर्शित करता है। यह भारत की उद्यमशीलता की भावना का भी प्रमाण है। यह व्यापार, नवाचार और सहयोग के केंद्र के रूप में कार्य करेगा, जिससे हमारी अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के अवसरों का सृजन होगा। इसकी कुल कीमत लगभग 3000 करोड़ रु. है। इसमें 21 नवंबर 2023 को कार्य शुरू होगा।

प्रधानमंत्री मोदी बोले- यह भारत की उद्यमशीलता की भावना का भी प्रमाण

बिल्डिंग को सूरत डायमंड बोर्स नाम दिया गया

इस बिल्डिंग को सूरत डायमंड बोर्स नाम दिया गया है। दुनिया के जेम कैपिटल के रूप में प्रसिद्ध सूरत की इस इमारत को वन स्टॉप डेस्टिनेशन के रूप में बनाया गया है। बिल्डिंग को कुल 15 मंजिला बनाया गया है जो 35 एकड़ में फैली है। इमारत में 9 आयताकार स्ट्रक्चर हैं, जो सेंट्रल स्पाइन के जरिए आपस में कनेक्टेड है। 7.1 मिलियन वर्ग फुट फर्श की जगह है। इसमें एक मनोरंजन क्षेत्र और पार्किंग एरिया भी है, जो 7.1 मिलियन वर्ग फुट से अधिक क्षेत्र में फैला है।

7.1 मिलियन वर्ग फीट में बनी

सीएनएन की एक रिपोर्ट के अनुसार 7.1 मिलियन वर्ग फुट से अधिक जगह के साथ यह दुनिया की सबसे बड़ी ऑफिस बिल्डिंग के रूप में अमेरिका के पेंटागन को पीछे छोड़ देगी। 35 एकड़ में फैले अपने प्रभावशाली 15-मंजिला परिसर के साथ सूरत डायमंड बोर्स अपने अनूठे डिजाइन के लिए लोगों का ध्यान खींच रही है। इस इमारत को बनने में 4 साल लगे। हालांकि कोविड के कारण निर्माण कार्य में बाधा भी पहुंची। सूरत डायमंड बोर्स नवंबर में लोगों का स्वागत करने के लिए तैयार होगा। आधिकारिक उद्घाटन इस वर्ष के अंत में निर्धारित है और इसमें पीएम नरेंद्र मोदी की उपस्थिति होगी।

ये हैं इमारत की खास बातें

सूरत डायमंड बोर्स में 4,700 से अधिक वर्क स्पेस हैं, जो छोटे हीरे-काटने और पॉलिश करने की कार्यशालाओं के रूप में भी काम कर सकते हैं। इसमें 131 लिफ्ट के साथ-साथ कर्मचारियों के लिए खाना, जिम और कॉन्फ्रेंस करने की सुविधाएं भी शामिल हैं। यह व्यापार और सहयोग के केंद्र के रूप में काम करेगी जिससे इसे और बढ़ावा मिलेगा। ये रोजगार के अवसर देगी।

एक नज़र

आईपीएस मनोज रेलवे सुरक्षा बल के प्रमुख

नई दिल्ली। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी मनोज यादव को रेलवे सुरक्षा बल का महानिदेशक नियुक्त किया गया है। हरियाणा कैडर के 1988 बैच के अधिकारी मनोज 31 जुलाई को सेवानिवृत्त हो रहे संजय चंदर का स्थान लेंगे। आदेश में कहा गया है कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने आरपीएफ के महानिदेशक के पद पर यादव की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है।

तीस्ता सीतलवाड़ को नियमित जमानत मिली

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 2002 के गुजरात दंगों के मामलों में कथित तौर पर सबूत गढ़ने के मामले में दर्ज प्राथमिकी के सिलसिले में तीस्ता सीतलवाड़ को बुधवार को नियमित जमानत दे दी। शीर्ष अदालत ने गुजरात उच्च न्यायालय के आदेश को रद्द कर दिया।निर्देश दिया कि जमानत के दौरान सीतलवाड़ का पासपोर्ट निचली अदालत में जमा रहेगा।

ईंट-भट्टे के गड्ढे में डूबने से पांच बच्चों की मौत

शाहबाद। उत्तर प्रदेश के रामपुर के शाहबाद में दिल दहलाने वाला हादसा हुआ। यहां गहनी गांव में ईंट भट्टे के गड्ढे में पांच बच्चे डूब गए। बच्चे बकरी चराने के दौरान गड्ढे में नहाने उतर गए थे। सभी बच्चों की उम्र 10 से 12 साल के बीच थी। सग्रामीण आनन-फानन बच्चों को निकाल कर सीएचसी ले गए, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने केस कायम किया है।

3 करोड़ टैक्सपेयर ने फाइल किया रिटर्न

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2022-23 में अर्जित आय के लिए अब तक तीन करोड़ से भी ज्यादा आयकर रिटर्न जमा किए जा चुके हैं और इनमें से करीब 91 प्रतिशत रिटर्न इलेक्ट्रॉनिक रूप से सत्यापित किए जा चुके हैं। इनकम टैक्स विभाग ने बुधवार को एक ट्वीट में कहा कि 18 जुलाई तक कुल 3.06 करोड़ आईटीआर जमा किए गए हैं।

केंद्र ने सब्सिडी वाले टमाटर के भाव घटाए

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने आम आदमी को ऊंची खुदरा कीमतों से राहत देने के लिए सब्सिडी वाले टमाटर की कीमत गुरुवार से 80 रुपए प्रति किलोग्राम से घटाकर 70 कर दिया है। केंद्र भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ और भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ के माध्यम से प्रमुख शहरों में 80 रुपए प्रति किलो की पर टमाटर बेच रही है।

26 दलों में शुरुआत में ही दिखा '36' का आंकड़ा

संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस से नीतीश और लालू का किनारा, 'संयोजक' पद पर नहीं बनी सहमति

◆ नीतीश आस लगाए थे कि उन्हें संयोजक बना दिया जाएगा, पर निराशा लगी हाथ

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

बेंगलुरु में मंगलवार को विपक्षी दलों की दूसरी बड़ी बैठक हुई। इसमें कई अहम फैसले लिए गए, लेकिन बैठक के बाद जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में बिहार के सीएम नीतीश कुमार, डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव नहीं दिखे।पटना में विपक्षी एकता की पहली बैठक हुई थी। इसमें तय किया गया था कि अगली बैठक कांग्रेस के नेतृत्व में होगी। इसमें गठबंधन का नाम, संयोजक और कॉमन मिनिमम प्रोग्राम के साथ सीट बंटवारे के फॉर्मूले की घोषणा की जाएगी, लेकिन बेंगलुरु मे हुई बैठक में सिर्फ गठबंधन के नाम की घोषणा की गई। न तो संयोजक के नाम पर सहमति बन पाई और न ही सीट फॉर्मूले पर कोई बात बनी। इसके लिए अब अगली बैठक मुंबई में होगी। चर्चा इस बात की भी है कि नीतीश को ये रास नहीं आया। वहीं, कई मीडिया चैनलों का ये भी मानना है कि नीतीश को महागठबंधन का नाम 'इंडिया' रखना सही नहीं लगा।

बेंगलुरु में मंगलवार को विपक्षी दलों की दूसरी बैठक में नहीं हो पाया कोई फैसला, अब मुंबई में होगी बैठक

आरजेडी ने पहले इंडिया के नाम का पोस्ट किया फिर- डिलीट

आरजेडी के ट्विटर अकाउंट से पहले महागठबंधन के नए नाम की घोषणा की गई। इसमें लिखा गया कि अब भाजपा को इंडिआ कहने में भी दिक्कत होगी। हालांकि, प्रेस कॉन्फ्रेंस शुरू होने से थोड़ी देर पहले इस पोस्ट को डिलीट कर दिया गया। इसके बाद आरजेडी के नेता बयान देने से बच रहे हैं। हालांकि, बुधवार को फिर से आरजेडी और जेडीयू ने ट्वीट करके इंडिआ का समर्थन किया।

अब नीतीश ने दी सफाई

मुझे संयोजक या कोई पद नहीं चाहिए

बेंगलुरु में विपक्षी दलों की बैठक पर सीएम नीतीश कुमार ने बयान दिया है। नीतीश कुमार ने कहा कि मेरी नाराजगी की खबर बिल्कुल फालतू की बात और अफवाह है। वहां बहुत अच्छी बैठक हुई है। मुझे राजगीर आना था इसलिए मैं प्रेस कांफ्रेंस में शामिल नहीं हुआ और पटना लौट आया। नीतीश कुमार ने कहा कि मेरी पहली प्राथमिकता राजगीर रही है। मुझे संयोजक या कोई पद नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि 2024 का चुनाव परिणाम बहुत अच्छा होगा। 26 पार्टियां बैठक में शामिल हुईं। नीतीश कुमार ने कहा कि इंडिया नाम से मुझे कोई नाराजगी नहीं है। भाजपा के चक्कर में नही रहिए। यह कोई जरूरी नहीं था कि प्रेस कांफ्रेंस में रहा जाए।

अटलजी की तरह उन्होंने की बैठक

नाराजगी वाली खबरों के संदर्भ में नीतीश कुमार ने कहा कि मुझे भी लोगों ने कहा कि मोबाइल पर चल रहा है। पता नहीं कौन लोग मोबाइल पर चला रहे हैं। नीतीश ने कहा कि एनडीए की बैठक में जो दल शामिल हुआ सभी दल का नाम देख लीजिए। अटल की सरकार में एनडीए की बैठक होती थी। हम लोगों ने बैठक की है तो देख कर उन लोगों ने भी बैठक बुलाई।

कांग्रेस ने दावेदारी छोड़ी

टीएमसी का दावा- ममता बनें पीएम

2024 में प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार कौन होगा? इसको लेकर विपक्षी खेमे में आवाज उठने लगी है। कांग्रेस पहले ही इस पद की दावेदारी से किनारा कर चुकी है। अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने खुद साफ किया कि पार्टी को पीएम पद नहीं चाहिए, बल्कि वे आइडिया ऑफ इंडिया, संविधान, धर्मनिर्पेक्षता और लोकतंत्र को बचाना चाहते हैं। कांग्रेस पीएम की रेस से बाहर है तो टीएमसी सांसद सताब्दी रॉय ने कहा कि फिर 'हम चाहेंगे की ममता बेनर्जी पीएम) बनें। विपक्षी दलों की बेंगलुरु मीटिंग में कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा कि राज्य स्तर पर पार्टियों में मतभेद हो सकते हैं लेकिन उन मतभेदों को देश के लिए किनारे रखा जा सकता है। हमारा इरादा खुद के लिए सत्ता हासिल करने का नहीं है। यह संविधान, लोकतंत्र, धर्मनिर्पेक्षता और सामाजिक न्याय की लड़ाई है। इसके बाद मीटिंग का मूड ही बदल गया है। एक क्षेत्रीय दल के नेता ने खरगे के बयान की सराहना भी की।

गठबंधन का नाम इंडिया रखने का मामला थाने पहुंचा

विपक्षी गठबंधन का नाम इंडिया रखने का मामला अब थाने पहुंच गया है। इसपर आपत्ति जताते हुए दिल्ली के बाराखंबा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई गई है। कहा गया है कि इंडिया नाम रखना इंब्लेम्स एक्टका उल्लंघन है। इस एक्ट के तहत कोई भी अपने निजी फायदे के लिए इंडिया नाम का इस्तेमाल नहीं कर सकता। कहा गया है कि इससे लोगों की भावना आहत हुई हैं।

बारिश और भूस्खलन का तांडव

कठुआ में 8 की गई जान महाराष्ट्र में मचा हाहाकार

एजेंसी ⏭ कठुआ

जम्मू और कश्मीर के कठुआ जिले के ऊपरी इलाकों में बुधवार को भारी बारिश के कारण आई बाढ़ और भूस्खलन के कारण कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार तहसील के सुरजन गांव में एक घर पर भारी भूस्खलन गिरने से एक ही परिवार के पांच लोग जिंदा दफन हो गए।

अधिकारियों ने कहा कि घर के अंदर परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि सेरा में तीन अन्य लोगों की मौत हो गई।घटना के तुरंत बाद, स्थानीय लोगों ने बचाव अभियान शुरू करने में पुलिस की सहायता की। जम्मू और कश्मीर में इन दिनों बारिश से लोग परेशान हैं। बारिश का अमरनाथ यात्रा पर भी प्रभाव पड़ा है।

नदियों में उफान बाढ़ का खतरा

कठुआ पुलिस के अनुसार यहां बाढ़ और लैंडस्लाइड से कई लोग प्रभावित हुए हैं। लोगों के घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। फिलहाल, बाढ़ और लैंडस्लाइड से प्रभावितों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया है। दूसरी ओर बारिश के कारण कठुआ के नदियों में उफान है। कई इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति हो गई है।कठुआ और सांबा जिलों में नदियां और नाले बाढ़ की चेतावनी स्तर के करीब या उससे ऊपर पहुंच गए हैं। मौसम विभाग ने दोपहर तक और बारिश की भविष्यवाणी की है। एक अधिकारी ने कहा, "कठुआ और सांबा में बाढ़ की स्थिति गंभीर है।

रायगढ़ में 4 नदियां उफनी,स्कूल-कॉलेज बंद

महाराष्ट्र के कई जिलों में आज मॉनसून की बारिश ने कहर मचा रखा है। रायगढ़ जिले में मूसलाधार बारिश हो रही है। इस वजह से कई जगह भीषण बाढ़ की स्थिति बन गई है। रायगढ़ में चार नदियां उफान पर है और खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। जिले की कई प्रमुख सड़कों पर पानी भर गया है, जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन ने जिले में सभी स्कूल-कॉलेज को बंद करने के आदेश दिए हैं।

इलाहाबाद हाई कोर्ट के वकीलों का फैसला

वकीलों से अच्छा बर्ताव नहीं था जस्टिस के फेयरवेल से इनकार

एजेंसी ⏭ इलाहाबाद

किसी भी जज का जब उच्च न्यायालय से ट्रांसफर होता है या रिटायरमेंट होता है तो उन्हें फेयरवेल दिए जाने की एक परंपरा है। लेकिन इलाहाबाद हाई कोर्ट में जस्टिस दिनेश कुमार सिंह को फेयरवेल न देने का फैसला बार एसोसिएशन ने लिया है। जस्टिस दिनेश को केरल उच्च न्यायालय में ट्रांसफर किया गया है। बार एसोसिएशन के प्रेसिडेंट आनंद मणि त्रिपाठी की अध्यक्षता में जज के ट्रांसफर पर फेयरवेल दिए जाने को लेकर चर्चा हुई।

जस्टिस के व्यवहार से अधिवक्ता थे खफा

बार एंड बेंच के अनुसार ज्यादातर वकीलों ने फेयरवेल ना किए जाने की सलाह दी। इन वकीलों का कहना था कि जस्टिस का अपने कार्यकाल के दौरान वकीलों से अच्छा बर्ताव नहीं था। बार एसोसिएशन के सदस्यों ने कई वाकयों का जिक्र किया, जब जस्टिस दिनेश कुमार सिंह ने वकीलों के लिए गलत शब्दों का प्रयोग किया।

मणिपुर में हैवानियत का वीडियो

दो महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाया, इलाके में तनाव

एजेंसी ⏭ इंफाल

मणिपुर इन दिनों जातीय हिंसा की चपेट में है, लेकिन अब एक वीडियो को लेकर मणिपुर के पहाड़ी इलाकों में तनाव फैल गया है जिसमें दो महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाया जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार यह वीडियो 4 मई का है और दोनों महिलाएं कुकी समुदाय से हैं, जो लोग महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमा रहे हैं वो सभी मैतई समुदाय से हैं। आदिवासी संगठन इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

परेशान महिलाएं लगा रहीं गुहार

इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम के मुताबिक यह घटना राज्य की राजधानी इंफाल से लगभग 35 किलोमीटर दूर कांगपोकपी जिले में 4 मई को हुई। इस मामले में पुलिस ने अभी तक किसी को गिरफ्तार भी नहीं किया गया है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि महिलाएं रो रही हैं और उनसे छोड़ने की गुहार लगा रही हैं।

राहुल ने फोटो शेयर कर भावुक पोस्ट की

नई दिल्ली। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी के चार्टर्ड प्लेन की मंगलवार शाम भोपाल के राजा भोज एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग हुई। वजह प्लेन में ऑक्सीजन की कमी रही। बुधवार को राहुल गांधी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर सोनिया गांधी का फोटो शेयर कर भावुक पोस्ट की। उन्होंने लिखा- मां, प्रेशर में भी दया का आदर्श उदाहरण। फोटो में सोनिया गांधी ऑक्सीजन मास्क पहने नजर आ रही हैं। कांग्रेस विधायक पीसी शर्मा ने बताया कि चार्टर्ड प्लेन में ऑक्सीजन की कमी आई थी। सोनिया-राहुल इस प्लेन से बेंगलुरु से दिल्ली जा रहे थे।

मुख्यमंत्री लैपटॉप के लिए राशि करेंगे अंतरित

78 हजार छात्रों के खातों में आएंगे 25-25 हजार

लाल परेड ग्राउंड भोपाल में होगा प्रतिभाशाली विद्यार्थी सम्मान समारोह

⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान गुरुवार 20 जुलाई को लाल परेड ग्राउंड भोपाल में आयोजित प्रतिभाशाली विद्यार्थी सम्मान समारोह में विद्यार्थियों के बैंक खाते में लैपटॉप के लिए सिंगल क्लिक से राशि अंतरित करेंगे।

प्रति छात्र 25 हजार रुपए की राशि का अंतरण होगा। सत्र 2022-23 की कक्षा 12 वीं की बोर्ड परीक्षा में प्रथम प्रयास में 75 प्रतिशत अथवा उससे अधिक अंक अर्जित करने वाले विद्यार्थियों को लैपटॉप क्रय के लिए यह राशि दी जाएगी। मुख्यमंत्री चौहान ने 75 फीसदी या उससे ज्यादा अंक पाने वाले छात्र-छात्राओं को लैपटॉप देने की घोषणा की थी। 12वीं में प्रदेश भर से 78 हजार 641 छात्र छात्राओं ने प्रथम प्रयास में 75 फीसदी से अधिक अंक प्राप्त किए थे। इस मौके पर स्कूल शिक्षा (स्वतंत्र प्रभार) एवं सामान्य प्रशासन राज्य मंत्री इंदर सिंह परमार, जनजातीय कार्य मंत्री सुश्री मीना सिंह और स्कूल शिक्षा एवं जनजातीय कार्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

कुल 196 करोड़ रुपए की राशि होगी अंतरित

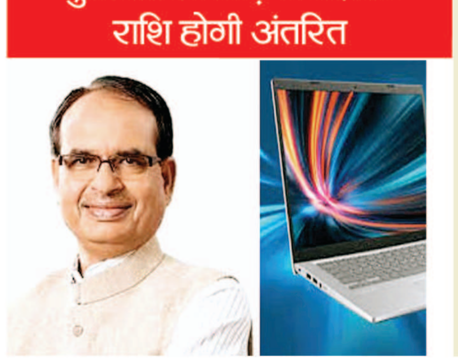

आयुक्त लोक शिक्षण श्रीमती अनुभा श्रीवास्तव ने 'हरिभूमि' को बताया कि प्रति विद्यार्थी 25 हजार रुपए राशि के मान से कुल 78 हज़ार 641 विद्यार्थियों के खातों में कुल 196 करोड़ 60 लाख 25 हजार रुपए की राशि अंतरित की जाएगी। प्रतिभाशाली विद्यार्थी सम्मान समारोह के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में भोपाल संभाग के विदिशा, रायसेन, सीहोर, राजगढ़ एवं भोपाल जिले के 10 हजार 359 विद्यार्थी सहभागिता करेंगे। प्रदेश के प्रत्येक जिले से सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले एक-एक विद्यार्थी इस कार्यक्रम में सम्मानित होंगे। वहीं, शेष 47 जिलों में इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम का लाइव प्रसारण होगा, जहां इन जिलों के विद्यार्थी वर्चुअली सहभागिता करेंगे।

पार्टी में टूट के बाद पहली बार मिले

उद्धव ठाकरे और आदित्य ने अजित से की मुलाकात

एजेंसी ⏭ मुंबई

महाराष्ट्र के पूर्व सीएम और शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे और उनके बेटे आदित्य ठाकरे ने डिप्टी सीएम अजित पवार से विधानसभा ऑफिस में मुलाकात की है। एनसीपी में टूट के बाद दोनों नेताओं की अजित पवार से ये पहली मुलाकात है। महाविकास अघाड़ी की सरकार में अजित पवार मंत्री थे। उनके पास तब भी वित्त मंत्रालय था। मौजूदा एकनाथ शिंदे की सरकार में भी अजित पवार वित्त मंत्री हैं। उद्धव और अजित की

मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब महाराष्ट्र में एनसीपी दो भागों में बंट चुकी है। शिवसेना (यूबीटी) की बात है तो वो एनसीपी में इस टूट के लिए भाजपा को जिम्मेदार बता रही है। दिलचस्प है कि उद्धव गुट के नेता अजित को लेकर अभी तक कोई तल्ख टिप्पणी करने से बचते दिखाई दिए हैं।

एक नज़र

फायर ब्रिगेड, एंबुलेंस सहित अन्य सुविधाएं सीधे पहुंचेंगी दरवाजे तक

अब QR कोड में बोर्ड आवासों का पता

हिलव्यू समाचार
जयपुर। राजस्थान आवासन मंडल ने इंडसइंड बैंक के सहयोग से पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर प्रताप नगर स्थित मुख्यमंत्री शिक्षक एवं प्रहरी आवासीय योजना के तहत 500 फ्लैट्स में डिजिटल डोर नंबर (डीडीएन) लगाने की शुरुआत की है।

क्यूआर कोड और यूनिक नंबर आधारित सेवा से जुड़ने के बाद आवासीय योजनाओं में ना केवल आवास या फ्लैट्स खोजना आसान होगा, साथ ही फायर ब्रिगेड, एंबुलेंस जैसी सुविधाएं भी सीधे घर के दरवाजे तक आसानी से पहुंच सकेंगी।

आवासन मंडल के मुख्यालय पर मंगलवार को हुई एक बैठक में आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा को इंडसइंड बैंक के कंट्री हैड अंकित पारीक (सरकारी बैंकिंग समूह) और एजाज आदिल ने क्यूआर कोड का सैंपल सौंपा।

मकान ढूंढने में मिलेगी सहायता

पवन अरोड़ा ने बताया कि क्यूआर कोड लगने के बाद घर तलाशने में कोई दिक्कत नहीं होगी। क्यूआर कोड को मोबाइल फोन से स्कैन करते ही गूगल मैप की मदद से मकान की लोकेशन, उसकी तस्वीर सब कुछ मिल जाएगा। पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शिक्षक एवं प्रहरी योजना में इसकी शुरुआत की जा रही है। प्रयोग सफल होने पर अन्य योजनाओं को भी इस अत्याधुनिक सुविधा से जोड़ा जाएगा। इस दौरान इंडसइंड बैंक के प्रतिनिधियों ने क्यूआर कोड तकनीक पर आधारित डिजिटल डोर नंबर के बारे में विस्तार से प्रस्तुतिकरण दिया। उन्होंने बताया कि आगामी दिनों में इस सुविधा के साथ डोर स्टेप सर्विस, इमरजेंसी सर्विस जैसे फायर ब्रिगेड, पुलिस, कार मैनेजमेंट सिस्टम सहित अन्य जरूरी सुविधाओं को भी जोड़ा जाएगा। उन्होंने बताया कि यदि भविष्य में नगर निगम इस योजना में सहभागिता करता है, तो निगम के टैक्स वसूली, नोटिस आदि का वितरण भी इसके माध्यम से हो सकता है। यही नहीं डोर स्टेप डिलीवरी और ऑनलाइन शॉपिंग में भी आमजन को इस सुविधा से लाभ मिलेगा। बैठक में मंडल सचिव अल्पा चौधरी, वित्तीय सलाहकार संजय शर्मा, मुख्य अभियंता मनोज गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य अभियंता अमित अग्रवाल सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

नेशनल हैण्डलूम वीक के ब्रोशर का विमोचन

बुनकर, हथकरघा एवं खादी क्षेत्र के उत्पादों को प्रोत्साहन मिलेगा

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री शकुन्तला रावत ने बुधवार को उद्योग भवन में नेशनल हैण्डलूम वीक के ब्रोशर का विमोचन किया। यह कार्यक्रम जवाहर कला केंद्र में 3 से 7 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा। ब्रोशर विमोचन कार्यक्रम में विशिष्ट शासन सचिव नेहा गिरी, आयुक्त ओम कसेरा, रीको प्रबंध निदेशक सुधीर कुमार शर्मा, आरएसआईसी प्रबंध निदेशक मनीषा अरोड़ा, संयुक्त शासन सचिव पूनम प्रसाद सागर, सचिव खादी बोर्ड ब्रजेश चंदोलिया, अतिरिक्त निदेशक आरके आमेरिया, एसएस शाह, विपुल जानी सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। रावत ने पत्रकार वार्ता में बताया कि इस आयोजन से प्रदेश के बुनकर, हथकरघा एवं खादी क्षेत्र के उत्पादों को प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने बताया कि आयोजन में हथकरघा एवं खादी उत्पादों की 80 स्टॉल लगाई जाएंगी एवं विशेष रूप से 10 राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त बुनकर भी अपने उत्पादों का विक्रय एवं प्रदर्शन करेंगे।

श्रीराम कुमार व नीलम सपना शर्मा ने की अनूठी पहल

अपनी बिटिया की पुण्यतिथि पर वृक्षारोपण का किया अनुकरणीय कार्य

इस तरह समाज को दे सकतें हैं हम नई सोच-नई दिशा

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। नारी कभी ना हारी लेखिका साहित्य संस्थान एवं सपनाज़ ड्रीम्स चैरिटेबल ट्रस्ट जयपुर ने स्वप्न लोक डाबीच के पास प्राथमिक विद्यालय रैगरो की ढाणी में स्कूल में बाउंड्री वाल के पास पास अनेक छाया दार पेड़ लगाये व बच्चों को समझाया कि हर बच्चा अपने अपने पेड़ का ध्यान रखें व पानी देते रहें ।बच्चों को खेल खेल में यह सब जानकारी प्रदान की गई। नर्सरी से पौधे लाना ,फिर डाबीच तक ट्रक में लाद कर लें जाना और मशीन से गहरे गड्ढे खुदवा कर सबमें पेड़ लगाने का पुण्य कार्य श्रीराम कुमार शर्मा जी व नीलम सपना शर्मा ने अपनी सुपुत्री की पुण्यतिथि पर किया । पूर्व में भी उन्होंने विद्यालय को दो पंखे भेंट किये थे व अम्बेडकर पार्क में वृक्षारोपण कर दो बैंच रखवाईं थी । श्रीराम कुमार जी पहले आर्मी में अधिकारी थे सेवानिवृत्ति के बाद वे हाईकोर्ट में अधिवक्ता है और समाज सेवा के कार्य में दिन रात जजुटे हुए है ।नीलम सपना शर्मा उनके कंधे से कंधा मिला कर सहयोगरत है । नारी कभी ना हारी लेखिका साहित्य संस्थान की संस्थापक वीना चौहान ने उनके इस नेक व पुण्य कार्य पर भूरी भूरी प्रशंसा की । दुर्लभ है ऐसे कर्मठ दम्पत्ति जो अपनी बिटिया की याद को अक्षुण्ण बनाये हुए है ।समाज को ऐसे कर्मठ लोगों से सदैव प्रेरणा ले कर समाज उत्थान में तत्पर रहना चाहिए।

गैंगरेप आरोपियों का नाम ABVP से जोड़ने का विरोध

छात्रों पर चला पुलिस का डंडा, सिर फूटा-टूटे पांव

हिलव्यू समाचार
जयपुर। जोधपुर में नाबालिग के साथ गैंगरेप प्रकरण में पुलिस द्वारा आरोपियों का नाम एबीवीपी से जोड़ने के विरोध में मंगलवार को कार्यकर्ताओं ने राजस्थान विश्वविद्यालय में प्रदर्शन किया। एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने पहले कैम्पस में नारेबाजी कर रैली निकाली। इसके बाद मुख्य द्वार से जेएलएन रोड रोकने के लिए गेट से बाहर आने की कोशिश की। इस दौरान पुलिस प्रशासन ने छात्रों को रोकते हुए बल प्रयोग किया। लाठियां बरसाई। लाठीचार्ज से परिषद के प्रांत मंत्री शौर्य जैमन का सिर फट गया। राष्ट्रीय मंत्री हुश्यार मीणा, भारत भूषण सहित आधा दर्जन कार्यकर्ताओं को चोटें आईं। पुलिस ने कार्यकर्ताओं को खदेड़ते हुए आधा दर्जन से अधिक छात्रों को हिरासत में ले लिया।

विरोध में छात्रों ने किया पथराव

विश्वविद्यालय के मुख्यद्वार से छात्रों द्वारा जेएलएन मार्ग जाम की कोशिश करने पर पुलिस ने दो बार लाठीचार्ज कर भीड़ को तितर -बितर किया। वहीं, पुलिस द्वारा लाठी चार्ज करने के विरोध में कुछ छात्रों ने पुलिस पर पथराव भी किया। छात्रों के पथराव में दो मीडियाकर्मी भी घायल हो गए और एक मीडिया कर्मी का कैमरा भी टूट गया। पथराव के बाद पुलिस ने फिर लाठीचार्ज करते हुए छात्रों को कैम्पस के अंदर खदेड़ दिया। इसके बाद लाठीचर्ज के विरोध में कार्यकर्ताओं ने धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया।

महिलाओं पर अत्याचार

लाठीचार्ज में घायल हुए प्रांत मंत्री शौर्य जैमन ने बताया कि एबीवीपी के कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज करना शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ हो रहे अत्याचार सरकार की विफलता है। सरकार ने अपनी विफलता छिपाने के लिए दुष्कर्म के आरोपियों का एबीवीपी से संबंध बता दिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को न्याय दिलाने के लिए विद्यार्थी परिषद हमेशा आगे रहती है। उन्होंने कहा कि एबीवीपी यूनिवर्सिटी गेट से तब तक नहीं उठेगी, जब तक साथी कार्यकर्ताओं को छोड़ नहीं दिया जाता। उन्होंने बताया कि जोधपुर डीसीपी की ओर से एबीवीपी संगठन पर जो आरोप लगाए गए हैं वो पूरी तरह से बेबुनियाद हैं। उन्होंने कहा कि डीसीपी को बर्खास्त करने और आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा की मांग को लेकर ये प्रोटेस्ट किया गया था। वहीं, करीब 5 बजे धरने पर बैठे कार्यकर्ताओं ने हिरासत में लिए गए छात्रों को छोड़ने के लिए गांधीनगर ठाणे का घेराव कर दिया और सड़क जाम कर वहीं धरने पर बैठ गए।

छात्र नेत्री का एबीवीपी के विरोध में प्रदर्शन

एबीवीपी के प्रदर्शन के बाद शाम छात्र नेत्री कोमल मोहनपुरिया के नेतृत्व में प्रदर्शन किया गया। वहीं, कोमल जेएलएन मार्ग जाकर एबीवीपी को बैन करने को लेकर प्रदर्शन किया। कोमल ने समर्थकों के साथ जेएलएन मार्ग पर प्रदर्शन करने की कोशिश करने पर पुलिस ने खदेड़ दिया।

जम्मू कश्मीर के जन-जन तक पहुंचेगी सैल्यूट तिरंगा यात्रा

हिलव्यू समाचार
श्रीनगर। कश्मीर में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में सैल्यूट तिरंगा के राष्ट्रीय महामंत्री सम्पत सारस्वत बामनवाली ने बताया कि 1 अगस्त 2023 से 15 अगस्त 2023 के बीच जम्मू कश्मीर में सैल्यूट तिरंगा के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा का आयोजन की जाएगी। यह सैल्यूट तिरंगा यात्रा देश की एकता, सामरिक भावना, और राष्ट्रीय गर्व का प्रतीक होगी। इस यात्रा का उद्देश्य आत्मनिर्भर भारत की ताकत,निष्ठा,साहस और राष्ट्रीय ध्येयों की महत्वपूर्णता को दर्शाना है।

सैल्यूट तिरंगा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश झा ने बताया कि इस वर्ष, हम इस यात्रा को जम्मू कश्मीर के अनुपम सौंदर्य और प्राकृतिक स्थलों के साथ मिलाएंगे। उद्देश्य यह है कि यह यात्रा जम्मू कश्मीर के स्थानीय लोगों को विकास, पर्यटन, एवं उनके आर्थिक विकास के लिए अवसर प्रदान करे और जन जन तक तिरंगे के प्रति मान सम्मान को बढ़ाने का मुख्य उद्देश्य है ।

सैल्यूट तिरंगा के जम्मू कश्मीर प्रदेश अध्यक्ष मुजफ्फर हुसैन कलाल ने बताया कि हमारी सैल्यूट तिरंगा टीम ने बेहतर सुविधाओं, सुरक्षा के उपायों, और सबसे अच्छे आयोजन व्यवस्था की तैयारी की है। हम इस यात्रा को सफल बनाने के लिए सभी स्थानीय अधिकारियों, प्राधिकरणों, और विभाजित संगठनों के सहयोग से काम कर रहे हैं। ये यात्रा जम्मू कश्मीर के विभिन्न क्षेत्रों को शामिल करते हुए जन जन तक, घर घर तक तिरंगा पहुंचाकर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपने को साकार करने का प्रयास करेंगे ।

सैल्यूट तिरंगा के राष्ट्रीय महामंत्री सम्पत सारस्वत बामनवाली ने बताया कि इस यात्रा के माध्यम से हम सभी को आमंत्रित करते हैं कि वे इस सैल्यूट तिरंगा यात्रा के प्रमुख आयोजनों, धार्मिक स्थलों, और प्राकृतिक सुंदरता को अनुभव करने के लिए जम्मू कश्मीर में शामिल हों। हम सुनिश्चित करेंगे कि आपकी सुरक्षा और सुविधा का पूरा ध्यान रखा जाएगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस से पहले सैल्यूट तिरंगा टीम का स्वागत समारोह रखा गया जिसमे स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ साथ सच्चिदानंद पोखरियाल, कमांडो सुरेंद्र सिंह, उत्तम भाई पटेल, सेवानिवृत आईएएस उजागर सिंह तथा अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे ।

राम और धर्म की राजनीति का सरोकार विषय पर सरोकार मंच द्वारा टॉक शो आयोजित

हिलव्यू समाचार
जयपुर। सरोकार मंच द्वारा राम पर राजनीति पर चर्चा की गई जिसकी अध्यक्षता नेहरू बाल साहित्य के अध्यक्ष इकराम राजस्थानी ने की। मुख्य वक्ता के रूप में हाथोज धाम के बालमुकुंद आचार्य,पवन गोयल,ऐस्ट्रोलोजी ऑफ डिवाइन साइंस के निदेशक अनुपम जॉली व कलम प्रिया साहित्य लेखिका साहित्य संस्थान से शशि सक्सेना व सरोकार मंच से हिमानी जॉली मौजूद रहे। इकराम राजस्थानी ने राम पर लिखे दोहे सुनाते हुए राम व रहीम पर अपने विचार व्यक्त किए साथ ही वर्तमान परिपेक्ष पर अपने विचार व्यक्त किए। शशि सक्सेना ने अपनी कविता द्वारा राम को राजनीति से अलग रखने का संदेश देते हुए राष्ट्रीय एकता पर बोला। मंच का कुशल संचालन स्वयं हिमानी जॉली ने किया।

विधानसभा में उठाए गए राजधानी से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दे

सरकार हटाएगी नामी विद्यालयों के नियम विरुद्ध किए गए निर्माण

हिलव्यू समाचार
जयपुर। विधानसभा में मंगलवार को राजधानी जयपुर से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए गए। सांगानेर विधायक अशोक लाहोटी ने प्रश्नकाल में शहर के नामी स्कूलों में हुए अवैध निर्माण का मामला उठाया। लाहोटी ने कहा कि नीरजा मोदी स्कूल मानसरोवर, रुक्मणी बिरला मॉडर्न हाई स्कूल दुर्गापुरा, महाराजा सवाई मानसिंह विद्यालय, कैंब्रिज कोर्ट हाई स्कूल व वर्ल्ड स्कूल, आईआईएस इंटरनेशनल स्कूल आदि संस्थाओं ने नियम विरुद्ध जाकर अवैध निर्माण कर रखा है। सरकार इन पर कार्रवाई नहीं कर रही है। लाहोटी के इस सवाल के जवाब में नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री शान्ति कुमार धारीवाल ने विधानसभा में कहा कि जयपुर विकास प्राधिकरण एवं राजस्थान आवासन मंडल की ओर से शहर में विभिन्न शिक्षण संस्थाओं एवं स्कूलों को आवंटित भूमि पर यदि नक्शे के विपरीत कोई निर्माण कार्य किया गया है तो उसे अतिशीघ्र हटाने की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस संबंध में इन संस्थाओं को नोटिस भी दिए गए हैं।

जयपुर शहर में 200 बसें की जा रही हैं संचालित

धारीवाल ने बताया कि जयपुर में नगरीय बस सेवा के लिए जारी 209 परमिट में से जेसीटीएसएल द्वारा 200 बसें संचालित की जा रही हैं। इनमें 130 मिडी बसें हैं तथा 70 लो फ्लोर। निजी बसों के लिए 2 291 परमिट जारी हुए, जिनमें से 2040 चल रही हैं। शहर में मेट्रो के दूसरे रूट को शुरू करने से यातायात की व्यवस्था और सुगम हो सकती है, लेकिन कुछ शर्तों के कारण मेट्रो का अन्य रूट शुरू करने के लिए केन्द्र सरकार से मदद नहीं मिल पा रही है।

शर्तों की पालना नहीं होने से सामोद हनुमान मंदिर के शुरू नहीं होगा रोप-वे

पर्यटन राज्य मंत्री मुरारी लाल मीणा ने विधानसभा में कहा कि सामोद वीर हनुमान मंदिर में रोप-वे के संचालक द्वारा शर्तों की पालना नहीं करने के कारण इसके संचालन को बंद किया गया है। उन्होंने बताया कि आवेदक को सामोद वीर हनुमान मंदिर में रोप वे लगाने के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र सशर्त दिया गया था। आवेदक द्वारा प्रदूषण नियंत्रण मंडल, वन विभाग, पर्यटन विभाग व अन्य संबंधित विभागों से अनापत्ति प्रमाणपत्र लिए बिना ही रोप वे शुरू किए जाने के कारण संचालन पर रोक लगाई गई है।

100 इलेक्ट्रिक बसों के संचालन के लिए किया जा चुका है अनुबंध

मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ ने प्रश्नकाल में शहर में चल रही जेसीटीएसएल बसों का मामला उठाते हुए कहा कि राज्य सरकार ने 2019 में उनके सवाल के जवाब में बताया था कि शहर के लिए 600 नई बसें खरीदी जा रही है, लेकिन राजधानी में केवल 200 बसें ही चल रही है। सराफ ने कहा कि सरकार ने विधानसभा में गलत जानकारी दी है। सराफ के सवाल पर स्वायत शासन मंत्री धारीवाल ने कहा कि जेसीटीएसएल की ओर से जयपुर शहर में 100 इलेक्ट्रिक बसों के संचालन के लिए अनुबंध किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2023-24 की बजट घोषणा में भी जयपुर शहर में 300 बसों की घोषणा की गई है, जिसमें 100 मिडी बसें शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इन बसों के टेंडर की कार्रवाई सर्विस मॉडल पर करने की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक शालिनी श्रीवास्तव के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं प्लॉट नंबर C-2,अर्शिया रेजिडेंसी, फ्लैट नंबर 201,आदर्श नगर,राजा पार्क जयपुर-302004 (राजस्थान) से प्रकाशित।
संपादक : शालिनी श्रीवास्तव **सह-संपादक:** हरीश श्रीवास्तव, छबड़ा बारां **सह-संपादक :** कुलदीप गुप्ता, जयपुर मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) hillviewsamachar@gmail.com (राजस्थान सरकार से विज्ञापन हेतु स्वीकृत)